● वर्ष-4
● अंक-91
रायपुर, रविवार
24 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» ये काली काली आंखे...

एनडीए की सुनामी में धराशायी हुई कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को महाराष्ट्र में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया और झारखंड में सरकार की सहयोगी पार्टी झामुमो के मुकाबले एक दूर की जूनियर सहयोगी बनकर रह गई। इससे विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस की स्थिति और कमजोर हुई है, जबकि अन्य सहयोगी दल बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत ने कांग्रेस को कुछ सांत्वना दी है। लेकिन हरियाणा में हाल के उलटफेर के बाद महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में हार से कांग्रेस की राजनीतिक ताकत कमजोर हो सकती है। नांदेड़ लोकसभा सीट पर उप चुनाव में हार के बाद कांग्रेस की लोकसभा में सदस्यों की संख्या घटकर अब 98 रह गई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एवीए) के घटक के रूप में कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा। लेकिन 16 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी। एमवीए के खराब प्रदर्शन ने भविष्य में राज्य से राज्यसभा सीटें मिलने की उम्मीदें भी खत्म कर दीं हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शानदार जीत हासिल करते हुए संसद के उच्च सदन के लिए आगामी द्विवार्षिक चुनावों में बहुमत हासिल करने के लिए तैयार है। एमवीए की एक प्रमुख पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस विपक्षी गुट का ज्यादा वजन अपनी ओर खींचने में विफल रही और एनडीए की सुनामी के सामने धराशायी हो गई।

101 सीटों पर लड़ा था कांग्रेस ने चुनाव

एमवीए के सहयोगियों के बीच कांग्रेस ने सबसे अधिक विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा। उसने 288 में से 101 सीटों पर चुनाव लड़ा। लेकिन 16 फीसदी के स्ट्राइक रेट के साथ केवल 16 सीटों पर जीत रही है या आगे चल रही है। वहीं, शरद पवार की राकांपा (एसपी) का सबसे खराब स्ट्राइक रेट (11.6 फीसदी) रहा। पार्टी 86 सीटों पर चुनाव लड़ी, जिनमें से दस सीटों पर ही बढ़त बनाए हुए या जीत गई है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) का स्ट्राइक रेट 22 फीसदी रहा। इसने 95 सीटों पर चुनाव लड़ा। अभी 21 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है या जीत गई है।

88.6 फीसदी रहा भाजपा का स्ट्राइक रेट

दूसरी ओर भाजपा का स्ट्राइक रेट 88.6 फीसदी रहा। यानी उसने 149 सीटों पर चुनाव लड़ा और उनमें से 132 सीटों पर जीत रही है या बढ़त बनाए हुए है। भाजपा का वोट शेयर 26.46 फीसदी रहा। उसके बाद शिवसेना को 12.47 फीसदी और राकांपा को 9.35 फीसदी वोट मिले। एमवीए में कांग्रेस को सबसे अधिक 11.89 फीसदी वोट मिले। उसके बाद राकांपा (शरद पवार) को 11.25 फीसदी और शिवसेना (यूबीटी) को 10.28 फीसदी वोट मिले।

राहुल गांधी की रणनीतियों पर सवाल

हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हार ने कांग्रेस को कमजोर कर दिया। कांग्रेस नेतृत्व राहुल गांधी की रणनीतियों पर भी सवाल उठा सकते हैं, क्योंकि उन्होंने हाल ही में जाति जनगणना और अदाणी-अंबानी के मुद्दों पर फोकस किया है, जिनका आम जनता के बीच ज्यादा असर नहीं दिखा। हालांकि, केरल के वायनाड में लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत से कुछ राहत मिली है। साथ ही कर्नाटक में तीन विधानसभा सीटों के उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की। लेकिन ये जीत कांग्रेस समग्र हार की तुलना में कम मायने रखती है।

मैं समंदर हूं, लौटकर वापस आऊंगा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन से विरोधियों के हौसले पस्त हैं। वहीं इसके साथ भाजपा नीत गठबंधन महायुति के घटक दलों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इन सबके बीच भाजपा नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का एक बयान खूब वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि, मेरा पानी उतरता देख, मेरे किनारे पर घर मत बसा लेना। मैं समंदर हूं, लौटकर वापस आऊंगा। राज्य के मौजूदा डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का ये बयान साल 2019 का है, जो 2024 के विधानसभा के नतीजे आने के बाद फिर से वायरल हो रहा है। जो उनके राजनीतिक करिश्मे फिर से साबित कर रहा है। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने आज सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उनके इस बयान को उनके आवाज के साथ बड़े-बड़े शब्दों में लिखा भी गया है।

शानदार रहा इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

झारखंड की बात करें तो यहां हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक ने 56 सीटों पर जीत हासिल की है। तमाम मेहनत के बावजूद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को सिर्फ 24 सीटों से संतोष करना पड़ा है। महाराष्ट्र में महायुति की जीत के बाद मुख्यमंत्री के कई दावेदार हो गए हैं वहीं मुख्यमंत्री के रश्मि कई नाम की भी चर्चाएं शुरू हो गई है।

झारखंड विधानसभा चुनाव नतीजों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक बड़ा झटका दिया है। झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक ने बढ़त हासिल कर ली है और राज्य में सत्ता बरकरार रखने की स्थिति में है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की राह पर हैं। ढ्ढ.ह्ल.ष्ठ.ढ्ढ. ब्लॉक के प्रदर्शन ने झारखंड में अपने प्रभुत्व की पुष्टि की है, और भाजपा के आक्रामक अभियान का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है।

प्रेस से बात करते हुए सोरने ने कहा कि आज झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ गए हैं। मैं सभी समुदायों के लोगों और राज्य के सभी किसानों, महिलाओं और युवाओं को बहुमत के साथ वोट देने और इस चुनाव को सफल बनाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं उन सभी नेताओं को भी धन्यवाद देता हूं जो मैदान में थे और लोकतंत्र की ताकत को लोगों तक ले गए। उन्होंने कहा कि हम पूर्ण परिणाम का इंतजार कर रहे हैं जो जल्द ही घोषित किया जाएगा। उसके बाद हम आगे का फैसला लेंगे।

झामुमो नेता ने कहा कि इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है, ये मुझे पता चला है। मैं समर्थन के लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इसके साथ ही उन्होंने बधाई के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद किया है। सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि यह सरकार अबुआ सरकार है, यह सरकार झारखंड की जनता की सरकार है। जनता ने हेमंत सोरेन पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। हेमन्त जी पहले जिस तरह एक बेटा बनकर, एक भाई बनकर झारखंड की सेवा कर रहे थे, अब आने वाले समय में उससे भी ज्यादा मेहनत करेंगे।

शुरू हुई प्रियंका की संसदीय पारी

केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव का नतीजे आ गया है। कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने बड़ी जीत हासिल की है। राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के बाद उनकी बहन प्रियंका गांधी यहां चुनावी मैदान में उतरी थीं। करीब साढ़े तीन दशक का खुद का राजनीतिक अनुभव बताने वाली प्रियंका पहली बार चुनावी राजनीति में दाखिल हुईं और वायनाड से उपचुनाव लड़ा। वायनाड में प्रियंका ने माकपा के सत्यन मोकेरी को चार लाख से अधिक वोट से हरा दिया है।

प्रियंका गांधी का जन्म 12 जनवरी, 1972 को नई दिल्ली में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा की शुरुआत देहरादून के वेल्हम गर्ल्स स्कूल से हुई थी। लेकिन 1984 में इंदिरा गांधी की मौत के बाद पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी और सुरक्षा कारणों से दिल्ली के कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी स्कूल से 1989 तक अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। प्रियंका ने 1993 में दिल्ली विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की। वहीं, 2010 में यूनिवर्सिटी ऑफ संडरलैंड, यूके से दूरस्थ शिक्षा के जरिए बौद्ध अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हासिल किया।

रायपुर दक्षिण में फिर खिला कमल

46 हजार से भी अधिक मतों से भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को मिली ऐतिहासिक विजय

रायपुर। रायपुर दक्षिण उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने भारी मतों से ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है।

इसे लेकर उन्होंने कहा कि आज रायपुर दक्षिण में एक बार फिर कमल खिला है, 46 हजार से भी अधिक मतों से मिली यह ऐतिहासिक विजय रायपुर दक्षिण की जनता की जीत है, उनके विश्वास की जीत है, भाजपा के हमारे सभी वरिष्ठ नेताओं, समस्त कार्यकर्ता साथियों की जीत है और इसके लिए मैं सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं और मुझे अपना आशीर्वाद देने के लिए मैं रायपुर दक्षिण की जनता का हार्दिक हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सभी वरिष्ठ नेतागण का भी मैं हृदय से आभार व्यक्त जिन्होंने मुझपर विश्वास करके मुझे रायपुर दक्षिण से प्रत्याशी बनाया। रायपुर दक्षिण की जनता ने लंबे समय से क्षेत्र में लगातार कमल खिलाया है, भाजपा पर जनता के इस अटूट विश्वास का ही परिणाम यहां विकास के रुप में दिखाई देता है, वर्तमान सांसद और यहां के पूर्व विधायक बृजमोहन अग्रवाल जी को रायपुर दक्षिण की जनता ने लगातार 8 बार अपना विधायक चुना और इस बीच उन्होंने भी क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए। आज वही आशीवार्द रायपुर दक्षिण की जनता ने मुझे दिया है और मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं जनता के इस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करुंगा, पहले भी मैंने महापौर और सांसद के रुप में कार्य किया है और अब विधायक के रुप में रायपुर दक्षिण में बृजमोहन अग्रवाल जी के साथ मिलकर दोगुनी तेजी से क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करुंगा। डबल इंजन सरकार की इन सभी योजनाओं का लाभ हम जनता तक पहुंचाएंगे और क्षेत्र को विकास की एक नई ऊंचाई पर ले जाकर रायपुर दक्षिण की तस्वीर और तकदीर बदलने का कार्य करेंगे इसका मैं विश्वास दिलाता हूं, एक बार पुन: मैं सभी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

अन्य राज्यों में भाजपा को मिली सफलता पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र चुनावों और यूपी उपचुनाव में मिली जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा जिस तरह की शानदार विजय हमें मिली है, उससे एक बार और स्पष्ट हुआ है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा आज भी जनता के सर चढ़ कर बोल रहा है। उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। महाराष्ट्र बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण राज्य है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई है।

वहां पर भाजपा को मिली अपार सफलता ने मोदीजी की जनहितकारी नीतियों पर जनता के भरोसे की मुहर है।

प्रमुख समाचार

सीएम के काम पर लगी मुहर, दो सीटों पर सिमटी सपा

लखनऊ। यूपी के विधानसभा उपचुनाव में सीएम योगी आदित्यनाथ के काम पर मतदाताओं ने पक्की मुहर लगा दी। भाजपा गठबंधन के खाते में 7 सीटें गईं, जबकि सपा दो सीटों पर सिमट कर रह गई। मुस्लिम बहुल कुंदरकी सीट भी भाजपा ने सपा से छीन ली। इस सीट के परिणामों को सबसे बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। वर्ष 2022 के चुनाव के मुकाबले भाजपा गठबंधन को तीन सीटों का फायदा हुआ, जबकि इंडिया गठबंधन को इतना ही नुकसान। राष्ट्रीय लोकदल अपनी मीरापुर सीट बचाने में कामयाब रहा। बसपा का प्रदर्शन बेदम रहा। वह चार सीटों पर दस हजार वोट से नीचे सिमट गईं। वहीं, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने मीरापुर और कुंदरकी में अपनी ठीकठाक उपस्थिति दर्ज कराई। मीरापुर सीट राष्ट्रीय लोकदल की प्रत्याशी मिथिलेश पाल ने 30796 मतों से जीती। दूसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी की सुम्बुल राणा रहीं। पिछली बार रालोद ने सपा गठबंधन के साथ यहां जीत दर्ज की थी और इस बार बतौर भाजपा गठबंधन प्रत्याशी उसे जीत मिली। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला परिणाम कुंदरकी में रहा, जहां 65 फीसदी मुस्लिम मतदाता होने के बावजूद सपा प्रत्याशी मो. रिजवान की जमानत जब्त हो गई।

कल्पना वन मैन आर्मी, उनकी मेहनत रंग लाई: सोरेन

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो की जीत के बाद सीएम हेमंत सोरेन काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने पार्टी की जीत का श्रेय अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को दिया। एक्स पर पत्नी कल्पना सोरेन और बच्चों के साथ फोटो साझा करते हुए उन्होंने लिखा हमारे स्टार कैंपेनर का स्वागत है। जीत के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि इस जीत में कल्पना सोरेन और उनकी टीम का बड़ा योगदान है। लोकसभा चुनाव में झामुमो में पांच सीटें जीती थीं। तब मैं जेल में था। अगर मैं बाहर होता तो और बेहतर प्रदर्शन करता। उस वक्त मेरी पत्नी कल्पना सोरेन ने वन मैन आर्मी की तरह काम करते हुए पूरा जिम्मा संभाला। इस चुनाव में हमने साथ मिलकर काम किया। हमने पहले ही पूरा होमवर्क कर लिया। जमीन पर जुटकर काम किया। हम वह संदेश देने में सफल रहे जो हम देना चाहते थे। झारखंड के सीएम और झामुमो प्रमुख हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड चुनाव के नतीजे आ गए हैं।

महाराष्ट्र में झूठ, छल और फरेब बुरी तरह हारा: मोदी

मुंबई। महाराष्ट्र में मिली जबरदस्त जीत के बाद भाजपा में उत्साह है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी कार्यालय से संबोधित किया। इसके साथ ही झारखंड को लेकर उन्होंने बड़ी बात कही। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हम यहां एक और ऐतिहासिक महाविजय का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। आज महाराष्ट्र में विकासवाद, सुशासन, सच्चे सामाजिक न्याय की जीत हुई है और महाराष्ट्र में झूठ, छल, फरेब बुरी तरह हारा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विभाजनकारी ताकते हारी हैं, नकारात्मक राजनीति की हार हुई है परिवारवाद की हार हुई है। आज महाराष्ट्र ने विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि आज देश के अनेक राज्यों में उपचुनावों के नतीजे भी आए हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान ने भाजपा को जमकर समर्थन दिया है। असम के लोगों ने भाजपा पर फिर एक बार भरोसा जताया है। मध्य प्रदेश में भी हमें सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि बिहार में ह्ल का समर्थन बढ़ा है। यह दिखाता है कि देश अब सिर्फ विकास चाहता है।

चन्द्रशेखर-ओवैसी के हाथों भी बसपा गंवा रही है अपनी जमीन

लखनऊ। लोकसभा चुनावों के बाद एक बार फिर बसपा का प्रदर्शन प्रदेश में दयनीय रहा। नौ सीटों में से पांच सीटें ऐसी रहीं जिनमें बसपा के प्रत्याशी को दस हजार से कम वोट मिले। इन चुनावों में लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी से नगीना सीट को छीनने वाली आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने एक बार फिर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। उपचुनाव में बसपा की सियासी जमीन खिसकने का आलम कुछ ऐसा रहा कि मीरापुर और कुंदरकी में उसके प्रत्याशियों से ज्यादा आजाद समाज पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तिहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) ने वोटरों के दिल में जगह बना ली। बसपा के मुकाबले आजाद समाज पार्टी ने अपना दम दिखाया तो एआईएमआईएम ने भी यूपी में अपने पैर जमाए हैं। सियासी जानकारों की मानें तो उपचुनाव में मायावती और आकाश आनंद पर चंद्रशेखर आजाद और ओवैसी भारी पड़े, जो भविष्य में बसपा को ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। बता दें कि मीरापुर सीट पर बसपा को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में 23979 वोट मिले थे, जो इस बार घटकर महज 3248 रह गए। मीरापुर में आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी जाहिद हुसैन को 22661, जबकि एआईएमआईएम के प्रत्याशी मोहम्मद अरशद को 18869 वोट मिले हैं।

पंजाब उपचुनाव में 3 सीटें जीती आप

नई दिल्ली। पंजाब में चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने गिद्दड़बाहा, डेरा बाबा नानक और चब्बेवाल में जबकि कांग्रेस ने बरनाला सीट पर जीत हासिल की है। पंजाब उपचुनाव के नतीजे के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब उपचुनाव के नतीजे फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल जैसे हैं; आप को फिर से ऐतिहासिक जनादेश मिलेगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब उपचुनाव में आप ने चार में से तीन सीटें जीतीं, भाजपा ने तीन पर जमानत गंवाई। इस वर्ष के प्रारंभ में निवर्तमान विधायकों के लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उपचुनाव करवाना जरूरी हो गए थे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी गिद्दड़बाहा और डेरा बाबा नानक विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के गढ़ को भेदने में कामयाब रही, हालांकि वह बरनाला विधानसभा क्षेत्र में अपना गढ़ मुख्य विपक्षी पार्टी के हाथों हार गई। उपचुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली क्योंकि उसके उम्मीदवार चारों सीटों पर तीसरे स्थान पर रहे। शिरोमणि अकाली दल ने उपचुनाव में हिस्सा नहीं लिया था।

महाराष्ट्र में भाजपा ने मारी बाजी और देखती रह गई कांग्रेस

शशिधर पाठक

हर हार के बाद भाजपा के नेता सबक लेते हैं। हर जीत के बाद विपक्ष के गुब्बारे फूल जाते हैं। संघ के नेता ज्ञानेश्वर कहते हैं कि आप इसी चश्मे से महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव नतीजे को देख लीजिए। उत्तर प्रदेश में भी देखिए, जहां नौ में से सात सीट भाजपा की झोली में आ रही है। ज्ञानेश्वर का कहना है कि लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा ने बहुत कुछ सीखा, लेकिन विपक्ष के नेता लग रहा है आश्वस्त हो गए। चुनाव के नीतजों पर राहुल गांधी की भी प्रतिक्रिया आई है।

राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड में जनता ने विशाल जनादेश दिया है। महाराष्ट्र के नतीजे अप्रत्याशित हैं। महाराष्ट्र के नतीजे पर हम विस्तार से विश्लेषण करेंगे। राहुल गांधी राजनीति में शरद पवार का बहुत सम्मान करते हैं। विधानसभा चुनाव में शरद पवार ने अपने राजनीतिक जीवन का अब तक का सबसे बड़ा खराब हश्र देख लिया। जबकि 4 जुलाई 2024 को लोकसभा चुनाव के नतीजे ने महा विकास अघाड़ी के चेहर पर बुलंद मुस्कान छेड़ दी थी। बड़ा सवाल है कि आखिर अगले चार महीने में ऐसा क्या बदल गया?

महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) के नेता संजय राउत तो चुनाव नतीजे पर ही सवाल उठा रहे हैं, अर्जुन यादव का नजरिया थोड़ा अलग है। अर्जुन यादव का कहना है कि भाजपा के नेताओं ने चुनाव जीतने के लिए रणनीति बनाकर काम किया। देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना (शिंदे) एकनाथ शिंदे और एनसीपी (अजित) के अजित पवार ने आपसी तालमेल को बेहतर बनाया। भितर घात को कम किया। हारने वाली सीट पर विरोधी को घेरने, वोट बंटवारे की रणनीति बनाई और जीतने वाली सीट पर भी लगातार सक्रिय रहे। अर्जुन के मुताबिक उनके दल (शिवसेना, उद्धव) के साथ एनसीपी (शरद), कांग्रेस का राजनीतिक तालमेल उतना अच्छा नहीं था। अर्जुन मुंबई में काफी सक्रिय रहते हैं। उत्तर

भारतीयों के स्थानीय नेता भी हैं। कहते हैं कि उत्तर भारतीयों को भी अपने पाले में भुनाने में लग रहा है कि भाजपा अधिक सफल रही। इसका लाभ उसके सहयोगी दलों को भी मिला। इस बारे में श्रीकांत निगवेकर कहते हैं कि अपने गठबंधन का सबसे बड़ा भाजपा थी। यह पहले से साफ था कि 288 में से 150 के आस-पास सीटों पर भाजपा उम्मीदवार उतारेगी। शिवसेना (शिंदे) दूसरे सहयोगी एनसीपी (अजित) से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। लेकिन यह मोटी-मोटी बात शिवसेना (उद्धव), एनसीपी (शरद) और कांग्रेस में काफी उलझाऊ थी। इसे सुलझाने में विपक्ष की चुनाव तैयारी समय से पिछड़ गई।

श्यामकांत जागीरदार महाराष्ट्र से आते हैं। वह कहते हैं कि लाड़ला भाई और लाडला बहना योजना ने गेम चेंजर का काम किया है। श्यामकांत वरिष्ठ पत्रकार हैं। निजी बातचीत में कहते हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा संभल गई थी। उसने महाराष्ट्र में मध्य प्रदेश की लाड़ली योजना से सबक लेते हुए लाड़ला भाई औल लाडला बहना योजना को अपनाया। इसकी किस्त भी हर महिला और युवा के खाते में आ गई। श्यामकांत कहते हैं कि उ.प्र. 2022 के विधानसभा चुनाव में 5 किलो फ्री राशन, दिल्ली विधानसभा चुनाव में फ्री बिजली, फ्री पानी ने कमाल किया था। मध्य प्रदेश का उदाहरण सामने है। इतना ही नहीं किसान सम्मान निधि ने भी असर दिखाया था। इसलिए महाराष्ट्र में महायुति ने सामाजिक, राजनीतिक समीकरण को ढंग से साधा। कई कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का उद्घाटन किया। कल्याण पाटील के पास एक गंभीर सवाल है? उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष ने चुनाव लड़ने की तैयारी की, लेकिन महाविकास अघाड़ी के तीनों घटक दलों ने क्या किया? अजीत कहते हैं कि केवल राहुल गांधी के संविधान बचाने को मुद्दा बनाने से तो चीजें नहीं बदल जाएगी? पृथ्वीराज चौह्वाण तो मुख्यमंत्री थे, चुनाव हार गए। बाला साहब थोराट की स्थिति देख लीजिए। नाना पटोले हारते-हारते बचे।कल्याण के मुताबिक विपक्ष को मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा के चुनाव से थोड़ा सबक ले लेना चाहिए था। कल्याण पाटील कहते हैं कि बाजपा दो रणनीति पर काम करती है। वह विरोधी दल को कमजोर करने के लिए उसके नेताओं को तोड़ती है और जीतने के लिए पूरे मन से चुनाव प्रचार करती है। जबकि विपक्ष अपने ही नेताओं को नहीं बचा पाता। वह एन वक्त पर साथ छोड़कर चले जाते हैं। नासिक मिलन रवानी एक अच्छे कारोबारी हैं। वह कहते हैं कि भाजपा के नेता जीतने के लिए माहौल बनाते हैं, जबकि विपक्ष में इसका उत्साह कम दिखाई देता है। आपसी लड़ाई ज्यादा दिखाई देती है।

जीपीएम में अब तक 42 हजार कुंतल से अधिक हुई धान की खरीदी, तीन केन्द्रों में नहीं हुई बोहनी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में अब तक 42 हजार कुंतल से अधिक धान की खरीदी हुई है तो तीन खरीदी केंद्रों में अब तक धान खरीदी की बोहनी तक नही हो पाई है। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य विगत 14 नवम्बर से सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी के निर्देश पर जिले के सभी 20 धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी केंद्रों में समुचित व्यवस्था की गई है।

जिले में कुल पंजीकृत किसानों की संख्या 24 हजार 460 है। जिले में 21 नवम्बर की स्थिति में कुल 42 हजार 379.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। धान उपार्जन केन्द्र धनौली में 8187.60 क्विंटल, भर्रीडांड़ में 3352 क्विंटल, लालपुर में 2593.20 क्विंटल, मेंढूका में 5253.20 क्विंटल, लरकेनी में 2694.80 क्विंटल, गौरेला में 2390.40 क्विंटल, पेण्ड्रा में 3006.40 क्विंटल, खोडरी में 2753.20 क्विंटल, सिवनी में 2606.80 क्विंटल, मरवाही में 1952.40 क्विंटल, निमधा में 1704.80 क्विंटल, नवागांव पेण्ड्रा में 1563.20 क्विंटल, तेंदूमुड़ा 1159.60 क्विंटल, तरईगांव मे 992.80 क्विंटल, बंशीताल में 824.40 क्विंटल, परासी में 672.80 क्विंटल और देवरीकला में 671.60 क्विंटल धान खरीदी की गई है।वही तीन धान खरीदी केन्द्र पेंड्रा के कोडगार, गौरेला के बस्ती और जोगीसार गांव स्थित धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी की शुरुआत भी नहीं हो पाई है इन केन्द्रों में अब तक कोई भी किसान धान बेचने नहीं पहुंचा है।

कस्टम मिलिंग में लापरवाही बरतने दो राइस मिलर्स की 4.65 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी राजसात

छत्तीसगढ़ में कलेक्टर ने कस्टम मिलिंग में लापरवाही बरतने के मामले में दो राइस मिलर्स के ऊपर कार्रवाई की है। कलेक्टर दीपक सोनी ने कस्टम मिलिंग में लापरवाही बरतने वाले जिले के दो राइस मिलर्स की कुल 4 करोड़ 65 लाख 5 हजार रुपये की बैंक गारंटी को राजसात करने के आदेश दिए हैं।

आशीष अग्रवाल संचालक फर्म- मेसर्स यश मॉर्डन फुड तिल्दा रोड सिमगा का एक करोड़ 77 लाख 15 हजार रुपये और तुषार कुमार नायक संचालक फर्म- मेसर्स आदित्य राईस इंडस्ट्रीज ग्राम कुशभाठा तहसील सोनाखान का दो करोड़ 87 लाख 90 हजार रुपये शमिल हैं।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार, संचालक आशीष अग्रवाल द्वारा कस्टम मिलिंग चावल जमा करने में रूचि नहीं ली जा रही है। फर्म के पास जांच के दौरान भौतिक सत्यापन में 7086 क्विंटल धान की कमी पाई गई है। परिणाम स्वरूप उनके द्वारा जमा किए गए बैंक गारंटी एक करोड़ पचास लाख रुपये और पोस्ट डेटेड चेक एक करोड़ एक रुपये इस प्रकार कुल दो करोड़ पचास लाख एक रुपये की राशि में से धान के एवज में यश मॉर्डन फुड प्रोडक्ट तिल्दा रोड सिमगा, संचालक आशीष अग्रवाल से वसूली की कार्यवाही किए जाने के लिए आदेश पारित किया गया है।

इसी तरह मिल संचालक मेसर्स आदित्य राईस इंडस्ट्रीज ग्राम कुशभाठा, विकासखण्ड कसडोल के संचालक तुषार कुमार नायक द्वारा कस्टम मिलिंग चावल जमा करने में विफल रहने के कारण जमा बैंक गारंटी चार करोड़ पचासी लाख रुपये की राशि में से धान के एवज में राशि दो करोड़ लाख हजार रुपये की वसूली की कार्यवाही किए जाने के लिए आदेश पारित किया गया है।

छत्तीसगढ़ अब डिजिटल कृषि की ओर, एग्रीस्टेक परियोजना से कृषकों मिलेगा लाभ

छत्तीसगढ़ अब डिजिटल कृषि की ओर अग्रसर है। एग्रीस्टैक परियोजना के तहत डिजिटल कृषि को बढ़ावा मिलेगी। राज्य के किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने के लिए एग्रीस्टैक परियोजना संचालित की जा रही है। इसके तहत ग्राम का जियो रिफ्रेसिंग सर्वेक्षण नक्शा, राजस्व संबंधित अधिकार अभिलेख और डिजिटल फसल सर्वेक्षण का काम किया जा रहा है। पॉयलेट प्रोजेक्ट के तहत 20 जिलों में जियो रिफ्रेसिंग तकनीक से सर्वे कर नक्शा तैयार करने का काम चल रहा है। अब तक 10 हजार 243 गांवों में यह काम पूरा कर लिया गया है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में एग्रीस्टेक परियोजना के तहत डिजिटल फसल सर्वेक्षण तीन जिलों में पूर्ण रूप किया जा रहा है। 16 जिलों की एक-एक तहसील में भी फसल सर्वेक्षण किया जा रहा है। आगामी दिनों में राज्य के सभी जिलों में डिजिटल फसल सर्वे का काम होगा। इस परियोजना में कृषकों का पंजीयन किया जा रहा है। इसके माध्यम से कृषकों को केन्द्र और राज्य सरकार के योजनाओं का पारदर्शी ढंग से लाभ मिलेगा। मोबाइल एप के माध्यम से पंजीयन स्वयं किसान और युवा कर सकेंगे। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर, वेबसाइट के माध्यम से पटवारी कर सकेंगे। कृषक पंजीयन के लिए कॉमन सर्विस सेंटर में प्रत्येक ई-केवाईसी के लिए 15 रुपये की दर निर्धारित की गई है।

किसानों के लिए एक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है। इससे किसानों को कई तरह की सुविधाएं मिलेगी। सस्ता ऋण, अच्छी क्वालिटी के कृषि इनपुट, स्थानीय सलाह, बाज़ारों तक आसान पहुंच, सरकारों को किसानों के लिए योजनाएं बनाने और लागू करने में मदद मिलेगी। एग्रीस्टेक के तहत, किसानों की सभी जानकारी एक जगह इकट्ठा की जाएगी। इसमें उनकी पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, बीमा, ऋण, फसल विवरण और राजस्व इतिहास शामिल होगा। किसानों की पहचान के लिए, उन्हें एक डिजिटल आईडी दी जाएगी, जो आधार कार्ड की तरह काम करेगी। इस आईडी में किसानों से जुड़े कई तरह के डेटा होंगे।

प्रशासन को हादसे का इंतजार , कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

20 साल पहले बना पुल का निचला हिस्सा क्षतिग्रस्त शिकायत के बाद भी नहीं हो रही मरम्मत

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिले के पिपरिया गांव के तिपान नदी में लगभग 20 साल पहले बना पुल का निचला हिस्सा वेस्टवेयर अब पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है, जो मरम्मत के अभाव में कभी भी गिर सकता है। इससे बड़ी अनहोनी घटना घट सकती है। स्थानीय ग्रामीणों ने पुल की मरम्मत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सूचना दे दी है, लेकिन अब तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

पुल में सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग भी नहीं है। अगर समय रहते इसका मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो आवागमन बंद होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि गौरेला से होते हुए मेडुका से मरवाही विधानसभा क्षेत्र को जोड़ने वाली पीएमजेएसवाय योजना के अंतर्गत यह सड़क बनी है। इस मार्ग पर पिपरिया गांव के तिपान नदी में बना पुल का निचला हिस्सा वेस्टवेयर पानी की तेज बहाव और पुराना होने के कारण टूट कर क्षतिग्रस्त हो गया है। साइड में मिट्टी का कटाव हो चुका है। हालांकि ग्रामीणों ने मिट्टी मुरुम डालकर इस पुलिया से होकर आवागमन चालू किया है, जो काफी नहीं है। अगर समय रहते इसका मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो इस पुलिया से होकर आने जाने वाले सैकड़ों गांव के लोगों का आवागमन प्रभावित होगा और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं मरवाही ब्लॉक कार्यालय पहुंचने के लिए ज्यादा किमी सफर करना पड़ेगा।

सैकड़ों गांव के लोग इसी पुल से होकर करते हैं आना-जाना

बता दें कि मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ की मुख्य सड़क मार्ग से मेडूका, पिपरिया, मरवाही को जोड़ने वाली यह क्क्ष्छ्स्ड्ड की मुख्य सड़क है। सैकड़ों गांव के लोग इस पुल और सड़क मार्ग पर निर्भर हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर जिला अस्पताल और रेलवे स्टेशन आने जाने वाले लोग ज्यादातर इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं।

आसपास के स्थानीय लोग लगातार पुल की मरम्मत की मांग करते आ रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा कई बार विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन आज तक इसका समाधान नहीं हो पाया है।

जिला प्रशासन द्वारा रोजगार मेला-प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन आज

■ निजी क्षेत्र में 1262 पदों पर होगी भर्ती

एमसीबी। जिला प्रशासन, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा 24 नवंबर 2024 रविवार को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, मनेन्द्रगढ़ में रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में निजी क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 1262 रिक्तियां प्राप्त हुई हैं।

इस रोजगार मेले में अलग-अलग पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें सिक्योरिटी गार्ड, ओटी तकनीशियन, बीएससी नर्सिंग और जीएनएम, लैब तकनीशियन, एजेंट, डीएम, ऑटोमोबाइल सेल्स, सर्विस सुपरवाइजर,टू व्हीलर/इवी सेल्स सर्विस/सेल्स, हेल्पर, इलेट्रिशन, फिटर, ऑफिस असिस्टेंट, वेल्डर, पेंटर, लेबर, जनरल असिस्टेंट, वर्किंग पार्टनर, मार्केटिंग, एजेंट, सिक्योरिटी गार्ड, सर्वेयर और कंप्यूटर संचालक, अप्रेंटिस इडीओ-एल, इडीओ, कलेक्शन मैनेजर, सविंग मशीन, इलेट्रिशन, फिटर, वेल्डर, होम मैनेजमेंट, सोलर पीवी इंस्ट्रालर ,जैसे पद शामिल हैं।

नियोजक एवं पदों का विवरण

मेसर्स बाम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी रायपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के लिए 10वीं पास योग्यता मांगी गई है और वेतन 14,000 से 19,000 रुपये निर्धारित है। जिसमें मेसर्स मूंद्रा हॉस्पिटल मंगल चौक, बिलासपुर बीएससी नर्सिंग और जीएनएम के लिए न्यूनतम दो वर्ष के अनुभव के साथ 10,000 रुपये वेतन पर नियुक्ति करेगा। मेसर्स एसएच प्रोजेक्ट्स पिपरिया, मनेन्द्रगढ़ लैब तकनीशियन के लिए

स्नातक (रसायन विषय से) योग्यता के साथ 10,000 रुपये वेतन पर नियुक्ति करेगा। एजेंट पद पर 10वीं पास अभ्यर्थी को कमीशन बेस पर काम का अवसर मिलेगा। मेसर्स एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, मनेन्द्रगढ़ स्नातक पास उम्मीदवारों को डीएम पद के लिए 2.5 लाख रुपये वार्षिक वेतन पर नियुक्त करेगा। वहीं, मेसर्स कोरिया ऑटो सेल्स पार्ट सेंटर, बैकुंठपुर ऑटोमोबाइल सेल्स और सर्विस सुपरवाइजर के लिए 12वीं और स्नातक पास उम्मीदवारों को अवसर देगा। हेल्पर पद के लिए अनपढ़ से 12वीं पास उम्मीदवारों को 15,500 रुपये वेतन मिलेगा। मेसर्स मोहिनी हेल्थ एंड हाइजिन लिमिटेड, पीथमपुर (मध्यप्रदेश) बिजली मिस्त्री और फिटर पदों पर आईटीआई पास उम्मीदवारों को 16,500 रुपये वेतन पर भर्ती करेगा। ऑफिस असिस्टेंट पद के लिए 12वीं पास/स्नातक उम्मीदवार को 17,500 रुपये वेतन दिया जाएगा। मेसर्स अमर एग्रो इंडस्ट्रीज, लालपुर मनेन्द्रगढ़ वेल्डर के लिए आईटीआई पास उम्मीदवार को 11,000 रुपये, पेंटर के लिए 5वीं पास को 9,000 रुपये, और लेबर के लिए 7,000 रुपये वेतन पर भर्ती करेगा। मेसर्स बिलासा भूमि बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, उसलापुर बिलासपुर जनरल असिस्टेंट के लिए 12वीं पास और कंप्यूटर पास उम्मीदवार को 12,000 रुपये वेतन पर नियुक्त करेगा। वर्किंग पार्टनर पद के लिए स्नातक/स्नातकोत्तर उम्मीदवार को 40त्न लाभ दिया जाएगा। मेसर्स अलर्ट प्लेसमेंट सर्विस, रायपुर सिक्योरिटी गार्ड, सर्वेयर और एजेंट पदों के लिए 8वीं पास से स्नातक तक के उम्मीदवारों को अवसर प्रदान करेगा। वेतन 11,000 से 13,000 रुपये तक रहेगा। मेसर्स सत्या माइक्रो केपिटल लिमिटेड वार्ड न.14 नियर बैंक ऑफ इंडिया बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छत्तीसगढ़ 12वीं पास एवं ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य, वेतन 12500 से 30000 रूपये तक रहेगा। मेसर्स वेदांता स्किल स्कूल जिला कोरबा सविंग मशीन 10वीं पास/आईटीआई वेतन 13650/-, इलेट्रिशन 10वीं पास/आईटीआई वेतन 15700/-, फिटर 10वीं पास/आईटीआई वेतन 14500/-, वेल्डर 8वीं/ आईटीआई वेतन 16200/-, होम मैनेजमेंट 10वीं पास वेतन 13000/-, सोलर पीवी इंस्ट्रालर 12वीं पास/ आईटीआई वेतन 15750/- रहेगा।

आवेदन के लिए महत्वपूर्ण निर्देश

इस रोजगार मेले में 8वीं पास से लेकर स्नातकोत्तर तक के योग्य अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। अलग-अलग पदों के लिए न्यूनतम और अधिकतम योग्यता निर्धारित है। इच्छुक उम्मीदवारों को अपने शैक्षणिक दस्तावेजों, बायोडाटा, और पहचान पत्र के साथ निर्धारित स्थल पर पहुंचना होगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कोंडागांव में 104 करोड़ की पाइपलाइन परियोजना पर विवाद

कोंडागांव। कोंडागांव में जल संकट से निजात दिलाने के उद्देश्य से कोसारटेडा डैम से कोंडागांव तक 24 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन विस्तारीकरण परियोजना पर काम शुरू हो चुकाहै। रू. 104 करोड़ की इस परियोजना के तहत पाइपलाइन को विभिन्न गांवों से होते हुए जिला मुख्यालय तक पहुंचाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी नगरपालिका पर है। हालांकि, कार्य के शुरू होते ही विवाद खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि कार्यसूचना बोर्ड या जनसूचना बोर्ड कहीं नहीं लगाए गए हैं, जिससे परियोजना के बारे में जनता को जानकारी नहीं मिल पा रही। इसके अलावा, कोंडागांव से बड़े कनेरा तक सड़क के किनारे खुदाई के दौरान पीएमजीएसवाय की सड़क को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यह सड़क हाल ही में रू. 2.5 करोड़ की लागत से सुधारी गई थी। खुदाई के दौरान मलबा सड़क पर फैला हुआ है, जिससे राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

चाकूबाज ब्रूसली का छावनी पुलिस ने निकाला जुलूस

भिलाई नगर। क्षेत्र के सबसे बड़े चाकूबाज जे पवन उर्फ ब्रूसली को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला है। इस दौरान रूसली ने लोगों से माफी मांगी और कसम खाई कि वह इस तरह का काम दोबारा नहीं करेगा। इसके बाद पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। ज्ञात हो कि चाकूबाजों पर नकेल कसने दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला की ईनामी घोषणा का असर दिखने लगा है। उनकी ईनामी घोषणा के कुछ घंटे बाद ही एक व्यक्ति ने छावनी टीआई चेतन चंद्राकर को चाकूबाज की जानकारी दी। फोन करने वाले ने बताया कि इलाके का आदतन अपराधी ब्रूसली ने इंस्टाग्राम पर हाथ में चाकू लेकर फोटो पोस्ट की है। इतना ही नहीं उसने मारपीट का वीडियो भी अपलोड किया है। थाना प्रभारी चेतन चंद्राकर ने तुरंत ब्रूसली को ढूंढ निकाला और तलाशी लेने पर उसके पास से चाकू भी जब्त किया। टीआई चंद्राकर ने बताया कि ब्रूसली आदतन बदमाश है, उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। वह कई बार चाकूबाजी और मारपीट के मामले में जेल जा चुका है।

मुठभेड़ में मारे जाने के बाद ग्रामीणों की हत्या करने लगे हैं नक्सली

जगदलपुर। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में हो रहे लगातार नक्सली मुठभेड़ में नक्सलियों के बड़े कैडरों के मारे जाने के बाद कमजोर पड़ चुके बौखलाये नक्सली इन दिनों मुखबिरी करने का आरोप लगाकर ग्रामीणों की हत्या कर अपने वजूद को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इसी क्रम में इस बार बस्तर संभाग के ग्रामीणों के स्थान पर छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर तेलंगाना के मुलुगु जिले में नक्सलियों ने मुखबिरी करने का आरोप लगाकर पंचायत सचिव और एक ग्रामीण का अपहरण कर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद नक्सलियों की वाजेदु वेंकटपुरम क्षेत्र की सचिव शांता ने पर्चा कर पर्चा में लिखा है कि ये दोनों पुलिस के लिए मुखबिरी कर रहे थे। नक्सली हत्या की वरदात के बाद वहां के भयावह स्थिति से दो-चार हो रहे ग्रामीण किन परिस्थितियों अपने जीवन का निर्वहन कर रहे हैं, इनकी पीड़ा को समझने वाला वहां कोई भी नही है।

मूलवासी बचाओं मंच के 2 सक्रिय कार्यकर्ता गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है, इसी तारतम्य में प्रतिबंधित संगठन मूलवासी बचाओं मंच के कार्यकर्ता द्वारा थाना चिंतलनार क्षेत्रांतर्गत ग्राम मुकरम पटेलपारा, ताड़मेटला आस-पास व दूरस्थ गांव के 30-40 की संख्या में ग्रामीणों को एकत्रित कर बिना प्रशासनिक अनुमति के सभा किया जा रहा था। सूचना पर थाना चिंतलनार पुलिस बल ग्राम मुकरम पटेलपारा में पहुंची तो मूलवासी बचाओं मंच के सदस्य भोगाम रामा पिता नंदा उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम सुरपनगुड़ा थाना चिंतलनार तथा मूलवासी बचाओं मंच सिलगेर के माड़वी रितेश पिता माड़वी दुला उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम पुवर्ती थाना जगरगुण्डा के द्वारा लगभग 30-40 की संख्या में उपस्थित भिन्न-भिन्न गांव से आये ग्रामीणों को अंदरूनी माओवाद प्रभावित क्षेत्र में स्थापित हो रहे नवीन पुलिस कैम्प तथा सड़क, पुल/पुलिया मोबाईल टावर के विरोध में ग्रामीणों को भड़का रहे थे, तथा ग्रामीणों के लिये चांवल, बर्तन व रूकने हेतु अस्थाई झोपड़ी का निर्माण व अन्य साधन की व्यवस्था किया जा रहा था।

फरसगांव के 500 से अधिक किसान 25 को देंगे धरना

कोंड़ागांव। जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र अंर्तगत माकड़ी ब्लॉक अंतर्गत रांधना क्षेत्र के किसानों को रांधना स्थित कृषि केंद्र संचालक द्वारा धान बेचा गया, जिसके बारे में किसानों को कोई जानकारी नहीं थी। संचालक द्वारा अच्छी क्वालिटी की धान है, उपज अन्य धान से अच्छी होगी कहकर बेची गयी, जिससे क्षेत्र के किसानों ने बढ़-चढ़ कर खरीदा और रोपा भी, परन्तु धान मे बाली नहीं आने से किसान परेशान हो गए और शिकायत लेकर शंकर ऋषि केंद्र के संचालक ने अपना हाथ खींच दिया, कहा मेरी क्या गलती है, बीज मेरे घर में नहीं बना है। आप लोग कम्पनी के खिलाफ शिकायत कर सकते हैं, किसान एसडीएम से मिले, डीएम से मिले, विधायक से भी मिले, कृषि विभाग से अधिकारियों की टीम मौके पर जाकर जांच भी की। किसान लगातार तीन महीने से बीज दुकान संचालक, शासकीय कार्यालय, नेतागण के चक्कर काट रहें हैं, पर मिल रहा है तो सिर्फ आश्वासन। किसान 25 नवंबर को 500 से अधिक किसानों के साथ धरना देने संबंधी ज्ञापन फरसगांव एसडीएम को दिए हैं।

मैकल परिक्रमा में शामिल साधु-संतों व श्रद्धालुओं का विहिप व बजरंगदल ने किया सम्मान

पेंड्रा। अमरकटंक क्षेत्र के महत्वपूर्ण यात्रा मैंकल परिक्रमा के समापन पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंगदल व मातृशक्ति दुर्गावाहिनी ने साधु-संतों व श्रद्धालाओं पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस यात्रा में 9 राज्यों के श्रद्धालु शामिल थे। यह यात्रा 15 नवंबर से 21 नवंबर तक चली जिसमें श्रद्धालुओं में मां नर्मदा के प्रति भक्ति एवं अभूतपूर्व उत्साह दिखा।

विश्व हिंदू परिषद के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के जिला अध्यक्ष हर्ष छाबरिया ने कहा कि इस पवित्र यात्रा में शामिल होकर उन्हें मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। यात्रा में शामिल लोगों के स्वागत समारोह में मुख्य रूप से विहिप जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही के जिला अध्यक्ष हर्ष छाबरिया, स्वामी कृष्ण प्रपन्नाचार्य, जिला उपाध्यक्ष सरोज पवार, जिला सह मंत्री प्रकाश साहू, बजरंगदल जिला संयोजक सागर पटेल, मातृशक्ति जिला संयोजिका प्रिया त्रिवेदी, दुर्गावाहिनी जिला संयोजिका वैशाली पाण्डेय, विनय पांडे, भूपेंद्र चौधरी, देवांश तिवारी, शिवम् साहू, नवीन विश्वकर्मा शैलेश जयसवाल, अनुराग पांडे, दीपक विश्वकर्मा, प्रकाश पटेल, कशिश साहू, संतोषी साहू, गोल्डी पटेल, संतोषी गोस्वामी एवं बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल के सदस्य शामिल हुए।

अपनी भव्यता का परिचायक है लोहारा का राजभवन

बालोद। छत्तीसगढ़ राज्य में राज घराने की जब बात आती है तो बालोद जिले के लोहारा राज के टेकाम परिवार का इतिहास लोगों के ज़ेहन में उतरता है। आज भी इस राजा बाड़ा के राज भवन का इतिहास अपने भव्यता की परिचायक है। यहां वो स्वरूप इन महल की दीवारों में देखने को मिलता है इस परिवार से विधायक भी हुए, इस राजभवन में फिल्म न्यूटन की शूटिंग भी हुई, अब यह राज भवन की संपूर्ण जिम्मेदारी इस परिवार के युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम के हाथों में है। इस राजमहल का इतिहास 200 वर्षों से पुराना बताया जा रहा है समय के साथ साथ राज परिवार ने महल को सुरक्षित रखने कुछ काम कराए हैं पर 80 प्रतिशत तह यह महक अपने अतीत को अपने दीवारों की बनावट से बयान करता प्रतीत होता है।

छत्तीसगढ़ के बालोद के लोहारा नगर

का राज परिवार जिनका घराना वहां तक फैला हुआ है जिसकी पहचान पूरे देश में है दअरसल राजहरा माइंस में टेकाम राजवंश के कुलदेव निवास करते हैं जो आज भिलाई इस्पात संयंत्र के अधीन हैं और पूरे क्षेत्र की पूजा प्रथम इसी राज परिवार से होती है यहां पर जो देव दशहरा होता है वो पूरे प्रदेश में विख्यात है इस परिवार के पास 484 गांव की जमींदारी थी।

आपको बता दें कि राजा फ़त्तेशाह इस परिवार के पुरोधा हैं और इसी परिवार से कांग्रेस शासन काल के समय रानी झमित कुंवर कांग्रेस से विधायक भी हुई और इस परिवार की इष्ट देवी मां दंतेश्वरी है 1952 से यह परिवार राजनीति में सक्रिय रहा, इस परिवार की युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम का कहना है कि मेरे पिता और माताजी विधायक की पूर्वजीव विधायक थे उनका सारा समय जनता की सेवा में गुजारा है मैं चाहता हूं कि उनकी नीति चलती रहे चाहे स्वरूप जैसा भी हो मैं भी जनता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहता हूं आपको बता देंगे युवराज के कंधों पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी है और यह भी राजनीति में सक्रियता से आगे बढ़ रहे हैं।

इस परिवार में दो ऐसे विधायक रहे जिन्होंने पूरे प्रदेश में अपना नाम बनाया इसमें से स्वर्गीय लाल महेंद्र सिंह टेकाम और स्वर्गीय नीलिमा टेकाम शामिल है कुछ वर्ष पूर्व वही इनका देहांत हुआ है और इस परिवार में काफी कुछ इस शहर और इस क्षेत्र की जनता को दिया आपको बताने की शहर की जितने भी शासकीय कार्यालय है सभी इसी परिवार की जगह पर निर्मित है और लोगों की सुविधा के लिए इन्होंने अपनी जमीनों को दान दिया है जिसमें से तालाब सहित अन्य संसाधन शामिल है।

अब कुंवर लाल निवेंद्र सिंह टेकाम पूरे परिवार की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं राजनीति में भी उनका अच्छा वर्सेस देखने को मिल रहा है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है खाने वाले विधानसभा चुनाव में वह खुलकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत करेंगे उन्होंने कहा कि मैं सेवा करना चाहता हूं जैसे मेरे मां-बाप और मेरे पूरे पूरा परिवार करता आया है और हमारा यह राज भवन आम जनता के लिए हमेशा खुला है यह अपनी समस्याओं को लेकर हमारे पास कभी भी आ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कृषि मंत्री नेताम ने ट्वीट कर कहा- खतरे से बाहर हूं, शुभचिंतकों का जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम बीती रात सड़क हादसे में घायल हो गए। आज सुबह मंत्री नेताम ने सोशल मीडिया एक्स पर अपना हाल बताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि मेरे प्रिय शुभचिंतक भाइयों एवं बहनों, हाल ही में हुई दुर्घटना में ईश्वर की कृपा और आप सभी की दुआओं से मैं पूरी तरह सुरक्षित हूं और अब खतरे से बाहर हूं। आपके स्नेह, प्रार्थनाओं और आशीर्वाद ने मुझे अपार हिम्मत और शक्ति दी है, मैं आपके इस अपार स्नेह का ऋणी हूं। इस मुश्किल समय में जो प्रेम और साथ मुझे आपसे मिला, उसके लिए आप सभी का हृदय से आभार। प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम का शुक्रवार रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वे शाम को कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर से दर्शन कर बेमेतरा होते हुए रायपुर जा रहे थे। इसी दौरान बेमेतरा-सिमगा नेशनल हाईवे स्थित जेवरा गांव के पास सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसे में कृषि मंत्री को काफी चोट आई। उनके साथ मौजूद अन्य लोग भी हादसे चोटिल हुए। हादसा के बाद सभी को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर रायपुर लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। सड़क हादसे के बाद रायपुर पहुंचते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल समेत कैबिनेट के अन्य मंत्री भी उनसे मुलाकात की और हाल चाल जाना।

सीएम ने हेलन केलर अवॉर्ड से सम्मानित कलाकार बसंत साहू को दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हेलन केलर अवॉर्ड से सम्मानित कलाकार बसंत साहू से फोन पर बात की और उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। सीएम ने कहा कि बसंत साहू युवाओं और बच्चों के लिए प्रेरणादायक काम कर रहे हैं। बसंत साहू धमतरी जिले के कुरूद के रहने वाले दिव्यांग समाजसेवी और चित्रकार हैं। सीएम साय ने बसंत साहू को जन्मदिन और सम्मान के लिए बधाई देते हुए फोन पर कहा आपको हेलेन केलर अवार्ड 2024 मिलने की सूचना न्यूज के जरिए मिली। आपकी इस उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई। मुख्यमंत्री साय ने फोन पर बात करने के दौरान बसंत साहू से कहा कि जल जगार कार्यक्रम में उनकी मुलाकात उनसे हुई थी। आपसे मिलकर काफी अच्छा लगा था। सीएम ने कहा कि आपने साबित किया है कि कठिनाईयां केवल मानसिक चुनौतियां है। दृढ़ संकल्प से बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों को मिलेगा पट्टा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण और शहरी आवासहीनों को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्ति को पट्टा अधिकार अधिनियम, 2023 एवं इसके अंतर्गत निर्मित नियम, 2023 के तहत स्थायी पट्टा विलेख एवं अस्थायी पट्टा विलेख के प्ररूप विहित किये गये हैं। इस अधिनियम के तहत पट्टे के लिए वे व्यक्ति पात्र होंगे जो नगर पालिक निगम क्षेत्र में 600 वर्गफीट पर तथा अन्य निकायों में 800 वर्गफीट शासकीय भूमि पर 20 अगस्त, 2017 के पूर्व से निवासरत हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने राज्य के नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों को पट्टा वितरण के लिए निर्धारित समय-सीमा में पात्र व्यक्तियों का सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि शहरी आवासहीनों को स्वयं के पक्का आवास का पट्टा दिया जाना है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर 20 अगस्त 2017 से लगातार काबिज आवासहीन व्यक्तियों को शासकीय भूमि का नि:शुल्क पट्टा 30 वर्षों के लिए दिया जाएगा।

नोटा ने फिर किया कमाल रहा तीसरे नंबर पर

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी 46167 मतों से विजयी रहे, उन्हें 89220 मत प्राप्त हुए। पराजित कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा को 43053 वोट मिले। जबकि तीसरे नंबर पर नोटा रहा जिसे 1147 मत मिले। भाजपा व कांग्रेस को छोड़कर कुल 28 प्रत्याशी निर्दलीय मैदान में थे लेकिन खास बात ये हैं कि कोई भी नोटा को नही पछाड़ पाये। सर्व आदि दल के अंकुश बरियेकर जिन्हे कुल 681 मत मिले बाकी अन्य प्रत्याशी 500 का आंकड़ा भी नहीं छू पाये। 19 राउंड में से सिर्फ दो राउंड में नोटा पीछा रहा, उनमें चौथे राउंड में सर्व आदि दल के अंकुश बरियेकर को 95 वोट मिले जबकि नोटा को 35, 10वें राउंड में भी बरियेकर को 92 व नोटा को 60। इसके बाद 19वें राउंड में अंकुश बरियेकर और नोटा को 36-36 मत प्राप्त हुए।

स्व.गोपाल वोरा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 24 नवंबर को

रायपुर। वरिष्ठ पत्रकार व रायपुर प्रेस क्लब के संस्थापक सदस्य रहे स्व.गोपाल वोरा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 24 नवंबर, रविवार को सप्रे शाला हाल, बूढ़ापारा में शाम को 4 से 5 बजे के मध्य रखी गई है। अपनो के बीच शब्दांजलि देने रायपुर प्रेस क्लब,भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ, इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन व श्री रायपुर पुष्टिकर ब्राम्हण समाज के द्वारा संयुक्त रूप से इस श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। 50 वर्षों से अधिक लगातार एक पत्रकार के रूप में पत्रकारिता को जीने वाले स्व.गोपाल वोरा को आइए हम सब मिलकर अपने शब्दों से श्रद्धांजलि अर्पित करें।

राहुल और भूपेश जहां-जहां जाएंगे वहां कांग्रेस का बंटाधार ही होगा : साय

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, इस जीत के लिए दक्षिण विधानसभा की जनता, क्षेत्र के कार्यकर्ता और पार्टी के सभी पदाधिकारियों को बधाई देता हूं, इनकी वजह से ही जीत मिली है। जनता ने बीजेपी, मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है। महाराष्ट्र की जीत को लेकर सीएम ने कहा, यह जीत मोदी की गारंटी की जीत है। पिछले सरकार में महाराष्ट्र में विकास कार्य हुआ, इस पर जनता ने मुहर लगाई है। मतदाताओं को बहुत-बहुत बधाई। कांग्रेस पर निशासा साधते हुए सीमए साय ने कहा, कांग्रेस में कुछ लोग ऐसे हैं, चाहे वह राहुल गांधी हो, चाहे भूपेश बघेल हो, ये लोग जहां भी जाएंगे वहां कांग्रेस का बंटाधार होना तय है।

बता दें कि रायपुर दक्षिण उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने रिकॉर्ड 46167 मतों से कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा को हराया है। सीएम विष्णुदेव साय ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने लगातार मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। सरकार ने 10 महीने में जो काम किया है उस पर जनता ने मुहर लगाया है। पुन: इस जीत के लिए मोदी जी को बधाई प्रेषित करता हूं।

10 महीनों के काम पर जनता ने लगाई मुहर : मुख्यमंत्री

सीएम साय ने कहा, रायपुर दक्षिण विधानसभा में श्यामबिहारी जयसवाल चुनाव प्रभारी थे। इस चुनाव में सारे मंत्री, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पार्टी उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा समेत सभी के प्रयास से भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। मैं सभी को बहुत-बहुत बधाई और धन्यवाद देता हूं। रायपुर दक्षिण के मतदाताओं को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। साय ने कहा, हमारी सरकार 10 महीनों में मोदी की गारंटी को पूरा करने का प्रयास किया है। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से ज्यादा महिलाओं को 1000 रुपए देने की बात हो या किसानों को धान का बोनस या रू. 3100 प्रति क्विंटल धान की कीमत देने की बात हो, रामलला दर्शन योजना की बात हो, हमारी सरकार ने 10 महीना में जो काम किए हैं उस पर रायपुर दक्षिण की जनता ने मुहर लगाई है। हमारे विधायक सुनील सोनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

जनता ने मोदी पर जताया विश्वास : बृजमोहन

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कमल का दक्षिण कमल फूल का गढ़ है और रहेगा। कांग्रेस के सभी मुद्दों को जनता ने खारिज कर दिया है। बृजमोहन ने कहा कि काम पर जनता ने मुहर लगाई है, सभी समीक्षाएं इस बार कांग्रस के हार का करण बना है। हमारी समीक्षा जीत का कारण बना है। बीजेपी को महाराष्ट्र जैसी सफलता मिलती रहेगी। जनता ने मोदी पर विश्वास किया है।

भाजपा कार्यालय में जीत का जश्न मना रहे भाजपाई

भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी की जीत के बाद भाजपाई बीजेपी कार्यालय में जीत का जश्न मना रहे। सीएम विष्णुदेव साय, सुनील सोनी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल समेत तमाम बड़े नेता और बड़ी संख्या में कार्यालय भाजपा कार्यालय पहुंचे हैं और एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर, पटाखे फोड़कर ढोल-नंगाड़े के साथ जीत का जश्न मना रहे।

रायपुर दक्षिण विधानसभा में एक चुम्मा ने बदला खेल मुस्लिम आबादी क्षेत्र में भाजपा को मिली बढ़त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में खास बात यह है कि भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्र से काफी बढ़त मिली है। भाजपा में इसे लेकर काफी उत्साह है। वहीं जीत की ओर बढ़ती भाजपा ने एक बार फिर अपने प्रत्याशी सुनील सोनी के चुम्मे वाले वीडियो की बात छेड़ दी है। भाजपाई नेताओं ने कहा कि एक चुम्मे ने वो कमाल कर दिया, जो कभी नहीं हुआ था। एक चुम्मे ने पूरे मुस्लिम वोटर खींच लिए हैं। जहां कांग्रेस को वोट पाने की उम्मीद थी, वहां उनको नहीं मिली। महापौर एजाज ढेबर और अन्य पार्षदों के वार्ड से भाजपा लीड में हैं।

दरअसल, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव से पहले भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे मौलवी को गले लगाते और फिर गाल पर चुंबन देते नजर आए। इस वीडियो को सोशल मीडया में शेयर करते हुए कांग्रेस ने चुटकी ली थी। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा था कि कांग्रेस ने बीजेपी को चुम्मा लेने पर मजबूर कर दिया, पता नहीं चुनाव के दौरान बीजेपी और क्या-क्या करेगी। दक्षिण की जनता सब समझ चुकी है। वहीं बाद में इस वीडियो को लेकर काफी सियासत गरमाई और भाजपाई नेता वीडियो को बनाने और वायरल करने वालों पर प्रशासनिक कार्रवाई की मांग लेकर थाने भी पहुंचे। वहीं अब उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों से बढ़त मिली है। इसे लेकर भाजपा नेता सुभाष तिवारी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा नेता सुभाष तिवारी ने कहा जो वीडियो वायरल हुआ था, उसे कांग्रेस ने गलत तरीके से परोसा था। लेकिन समाज के लोगों ने उसमें एक प्रेम का सकारात्मक संदेश देखा और मुस्लिम समाज ने बढ़चढ़ के भाजपा को वोट किया है। सुभाष तिवारी ने आगे कहा कि दोस्ती जात पात को देखकर नहीं होती है, कांग्रेस हमेशा गलत ट्रैक पर खेलती है। इसका फायदा भाजपा को मिला, जब एक चुम्मा ने वो कमाल किया जो आज तक नहीं हुआ था। बैजनाथ पारा जैसे क्षेत्र से भारी लीड मिली है। मुस्लिम भाइयों का वोट भाजपा को मिला है।

एआई है आज के समय की सबसे बड़ी जरुरत: डॉ. तिवारी

रायपुर। स्थानीय महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय शनिवार को एआई, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग में हालिया रुझान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिशा एजुकेशन सोसाइटी के सचिव एवं दिशा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल तिवारी ने मशीन लर्निंग विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुआ कहा कि आज का समय ए आई का समय है समय के साथ सब को इसे सीखना समय की मांग है। उन्होंने आगे उन्होंने कैसे कंप्यूटर ए आई के माध्यम से कार्य करता है, रोबोट कैसे हमारी बातों और विचारों को समझ कर अपना आउटपुट देता है।

कार्यक्रम में दूसरे वक्ता रूप में उपस्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा (ओपन) विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमलाल प्रधान ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने व्याखान में ए आई का प्रयोग कैसे और किन क्षेत्रों में किया जा रहा है इसका विस्तार से व्याख्या की एवं इसमें रोजगार के अवसर के बारे में सूक्ष्मता से बताया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शांतनु पॉल, डॉ. अनुपमा जैन, कंप्यूटर विज्ञानं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम चंद्राकर, डॉ. रजत यदु, प्रो. शीलू सोनी, प्रो. रौशनी पाशिने, प्रो. सिमरन चंद्राकर, सहित महाविद्यालय के छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रीतम कुमार दास ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रो. विवेक प्रकाश साहू ने किया।

सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

■ डागा कन्या महाविद्यालय को मिला था आयोजन का जिम्मा

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आवंटित सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का दो दिवसीय आयोजन श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय द्वारा विवेकानंद स्टेडियम कोटा में 22 और 23 नवंबर को किया गया। प्रतियोगिता में कुल 35 महाविद्यालय की टीम प्रतिभागी रहे तथा कुल 275 छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में भाग लिया।

प्रतियोगिता का आयोजन महिला एवं पुरुष वर्ग में किया गया।प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ सुरेंद्र शुक्ला तथा श्री हरि बल्लभ अग्रवाल प्रबंध समिति सदस्य, श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता घई तथा विभिन्न महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ रिंकू तिवारी,श्री रूपेंद्र सिंह चौहान, श्री शिव शंकर पांडे, डॉ प्रकाश चंद्रवंशी, वीरेंद्र, डॉ चंद्रशेखर बंदे तथा आयोजन सचिव डॉ प्रेम शंकर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का समापन 23 नवंबर को मुख्य अतिथि श्री अजय तिवारी अध्यक्ष राष्ट्रीय

विद्यालय समिति एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता घई के आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर डॉ पदमा शर्मा, डॉ स्मृति अग्रवाल, डॉ रेणुका बक्शी विभिन्न महाविद्यालय से आए समस्त क्रीड़ा अधिकारी, प्रतिभागी एवं विजेता छात्र-छात्राएं, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण और समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला वर्ग के विभिन्न स्पर्धाओं के विजेता

100 मीटर दौड़ -प्रथम नवनीत, द्वितीय हितेश्वरी तृतीय मंजू। 200 मीटर दौड़- प्रथम नवोनिता, द्वितीय रामेश्वरी तृतीय पायल। 400 मीटर दौड़- प्रथम सपना, द्वितीय राजेश्वरी, तृतीय प्रियंका। 800 मीटर दौड़ - प्रथम वंशिका, द्वितीय योगेश्वरी, तृतीय सानो। 5000 मीटर दौड़ -प्रथम आशा, द्वितीय सोमलता, तृतीय चांदनी। गोला फेक- प्रथम दुर्गा चंद्रवंशी, द्वितीय इंद्राणी, तृतीय धनेश्वरी। तवा फेक - प्रथम कुसुम, द्वितीय दुर्गा, तृतीय हिना। भाला फेक -प्रथम अमीषा, द्वितीय तनुजा, तृतीय भूमिका। ऊंची कूद -प्रथम योजना, द्वितीय इंद्राणी, तृतीय महिमा। लंबी कूद - प्रथम दुर्गा, द्वितीय हितेश्वरी, तृतीय लीना। बाधा दौड़- प्रथम दुर्गा, द्वितीय गोमती, तृतीया योजना। हाफ मैराथन -प्रथम मुकेश्वरी, द्वितीय दामिनी, तृतीय धनेश्वरी। 1500 मीटर दौड़ - प्रथम मुकेश्वरी, द्वितीय आशा, तृतीय सोमलता

पुरुष वर्ग की विभिन्न स्पर्धाओं के विजेता

100 मीटर दौड़ -प्रथम आयुष, द्वितीय हिमांशु, तृतीय विकास। 200 मीटर दौड़ - प्रथम भोजराज, द्वितीय आयुष, तृतीय हार्दिक। 400 मीटर दौड़ -प्रथम आनंद, द्वितीय राहुल, तृतीय विकास। 800 मीटर दौड़ -प्रथम बुद्धेश्वर, द्वितीय यशवंत, प्रीति धनेश। 1500 मीटर दौड़ -प्रथम बुद्धेश्वर, द्वितीय चेतन, तृतीय यशवंत। 5000 मीटर दौड़ -प्रथम अजय, द्वितीय बुद्धेश्वर, तृतीय चेतन। गोला फेक -प्रथम उदय, द्वितीय चंदन, तृतीय हिमांशु। तवा फेक- प्रथम सुजल, द्वितीय मनीष ,तृतीय गजाधर। भाला फेंक- प्रथम गजाधर, द्वितीय बुद्ध प्रकाश, तृतीय नेहरू। ऊंची कूद -प्रथम ऋषिक, द्वितीय पंकज, तृतीय शुभम। लंबी कूद -प्रथम ऋषिक, द्वितीय जसवंत, तृतीय इमामुद्दीन। हर्डल रेस -प्रथम बाबू बेरा द्वितीय सुमेश, तृतीय प्रमोद।

महाराष्ट्र विधानसभा और रायपुर उपचुनाव में भाजपा की जीत के बाद केदार कश्यप ने कांग्रेस पर कसा तंज

कहा- कांग्रेस को फिर कैंसल करना पड़ा मिठाई का ऑर्डर

रायपुर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव और छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी की जीत के बाद छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। मंत्री कश्यप ने कहा, कांग्रेस को एक बार फिर से मिठाई का ऑर्डर कैंसिल करना पड़ा है। लगभग 44 हजार मतों से भाजपा को मिली इस जीत ने कांग्रेस को आत्ममंथन का मौका दिया है।

मंत्री केदार कश्यप ने पीसीसी चीप दीपक बैज पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जो कल तक बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे, उन्हें अब मेहनत करने की जरूरत है। रायपुर दक्षिण की जनता ने एक बार फिर भाजपा पर विश्वास जताया है।

वन मंत्री ने महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा की सफलता को भी पार्टी की बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने

भाजपा की इस जीत को पार्टी के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताई है।

बता दें। कि रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने कांग्रेस के आकाश शर्मा को 46,167 वोटों के अंतर से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह भाजपा की इस सीट पर लगातार 9 वीं जीत है।

जीत की खुशी में जायसवाल ने बजाया ढोल

भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी की जीत से उत्साहित भाजपा कार्यकर्ता व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल के सहयोगी एकात्म परिसर पहुंचे और मिठाई बांटकर जश्न मनाया और जमकर आतिशबाजी भी किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पार्टी दफ्तर पहुंचे और मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी सहित अन्य पदाधिकारियों ने ढोल धमालों के बीच उनका स्वागत किया। जायसवाल चुनाव प्रभारी भी थे और वो कार्यकर्ताओं के साथ ढोल बजाकर झूमे। जायसवाल के साथ रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू, शिवरतन शर्मा भी थे। इसके बाद सुनील सोनी पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और जयश्री राम के नारे लगाए। श्री सोनी ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, इस दौरान पार्टी के कई विधायक भी मौजूद थे।

लोधेशवरधाम में आज दीपावली मिलन समारोह

■ कलियुग की मीराबाई लोधी शिवांगी दीदी के रायपुर आगमन पर जोरदार स्वागत

रायपुर। लोधी क्षत्रिय समाज द्वारा राजधानी रायपुर के लोधेश्वरधाम में 24 नवंबर, रविवार को आयोजित दीपावली मिलन समारोह में देश भर से स्वजातीय बंधु पहुंच रहे हैं। समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले चार विधायक भी कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल होंगे। हमेशा से इस कार्यक्रम को आर्शिवाद प्रदान करने वाले वर्तमान में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल प्रमुख अतिथि होंगे। युवक-युवती परिचय सम्मेलन,वार्षिक सम्मेलन व स्मारिका विमोचन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। प्रतिभाशाली बच्चों व वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह भी रखा गया है। इससे पूर्व शनिवार को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कलियुग की मीराबाई लोधी शिवांगी दीदी का रायपुर आगमन होने पर समाज के सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया।

लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा इकाई के सचिव प्रहलाद दमाहे ने बताया कि छत्तीसगढ़ में होने वाला यह पहला सामाजिक कार्यक्रम हैं जिसमें देश भर से समाज के लोग हिस्सा लेते हैं। समाज के गौरव एटा (यूपी)के विधायक विपिन वर्मा (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त),बालाघाट की विधायक अनुभा मुंजारे, लांजी के विधायक राजकुमार कुर्राहे व खैरागढ़ विधायक यशोदा नीलाम्बर,मुख्य संरक्षक पन्नालाल सिंह जंघेल(झारखंड),उत्तम जंघेल, संयोजक लोधेश्वरधाम के आतिथ्य में यह कार्यक्रम

होगा। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व अन्य विशिष्टजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन वर्मा के नेतृत्व में लोधेश्वर धाम (कुम्हारी टोल प्लाजा के पास) लोधेश्वर भगवान मंदिर का भूमिपूजन भी होगा।

लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा रायपुर छत्तीसगढ के तत्वावधान में दीपावली मिलन समारोह, वार्षिक, परिचय सम्मेलन एवम स्मारिका विमोचन समारोह अलग अलग सत्र में आयोजित है। इसकी शुरुअता सुबह 10 बजे से होगी और शाम को 5 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन होगा। सभी कार्यक्रम लोधेशवरधाम मे रविवार 24 नवंबर को संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध राष्ट्रीय महासभा के पदाधिकारीगण, सदस्यगण भी विशेष रूप से शामिल हो रहे हैं। लोधी समाज की बेटी कलियुग की मीराबाई से विख्यात लोधी शिवांगी दीदी का आगमन छत्तीसगढ ही नही अपितु विदर्भ, बालाघाट, जबलपुर, मंडला गोदिया आदि क्षेत्रों में से पहली बार लोधेश्वरधाम में हुआ है। जो अपनी ओजस्वी वाणी से भक्ति की गंगा बहायेंगी।

पटवारी के पद पर चार आवेदकों को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

एक वर्ष के पटवारी प्रशिक्षण उत्तीर्ण करने के बाद पटवारी के पद पर दी जायेगी नियुक्ति

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशा अनुरूप अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण किया जा रहा है। महासमुंद जिले के भू-अभिलेख शाखा अनुकम्पा नियुक्ति के चारों प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एक माह के भीतर ही अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश जारी किये गये है। इन आवेदकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संवेदनशील सरकार की सुशासन का ही परिणाम है कि उनके आवेदन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्हें अनुकम्पा नियुक्ति मिली है।

लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, और स्थानीय विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू

सिन्हा ने पटवारी के पद पर श्री कौशल कुमार बुड़ेक, श्री राजनारायण झारेय, श्रीमती पूनम नंद, और श्री भूपेन्द्र कुमार सेन को पटवारी पद के लिए नियुक्ति आदेश प्रदान किया। इन आवेदकों को पटवारी प्रशिक्षण शाला जिला रायपुर में आगामी प्रशिक्षण सत्र में पटवारी प्रशिक्षण दिया जायेगा। एक वर्ष का निर्धारित पटवारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आवेदकों द्वारा पटवारी परीक्षा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर पटवारी पद पर नियुक्ति का आदेश पृथक से जारी किया जाएगा।

अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने वाले आवेदक श्री भूपेन्द्र कुमार सेन ने बताया कि उनके पिता स्व. श्री कृष्ण कुमार सेन जनपद पंचायत महासमुंद में विकास विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। वर्ष 2022 में उनके अचानक मृत्यु हो जाने के कारण बहन और माता की जिम्मेदारी भी उनके उपर आ गई थी। घर की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी थी। उन्होंने बताया की नए सरकार के गठन के पश्चात प्रक्रिया में तेजी आई और जैसे ही आवेदन भू-अभिलेख शाखा में पहुंचा वैसे ही समय में आवेदन का निराकरण हुआ और हमें पटवारी के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति मिली है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा
शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला बेमेतरा (छ.ग.)
E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./3584/का.अभि/वलेलि / ग्रा.यां. सेवा / 2024-25 बेमेतरा, दिनांक 21/11/2024

संक्षिप्त मैनुअल (जोनल) निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 08

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) द्व एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु मुख्य अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा निर्माण एवं संधारण कार्य हेतु दर अनुसूची जो दिनांक 01.11.2021 एवं ट्यूब वेल कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दिनांक 01.06.2020 तथा विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 में प्रचलित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर विकासखण्ड साजा के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों हेतु स्वीकृत 25.00 लाख लागत तक के निर्माण कार्य हेतु जोन क्र. 04 से 09 तक अनुमानित लागत प्रत्येक भाग 20.00 लाख रूपये का जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट https://res.cg.gov.in में दिनांक 22.11.2024 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है एवं निविदा प्राप्ती की अंतिम तिथि 06.12.2024 तथा निविदायें दिनांक 09.12.2024 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जावेगी।

(महाजन बांधड़े)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बेमेतरा
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

जी-242503997/4

यूपी के परिणाम से योगी के भविष्य पर पड़ेगा असर!

राहिल नोरा चोपड़ा

उत्तर प्रदेश में 9 सीटों के लिए हुए उप-चुनाव के नतीजे भाजपा (बंटेंगे तो कटेंगे) और सपा (जुड़ेंगे तो जीतेंगे) के बीच बयानबाजी की लड़ाई पर टिप्पणी करने के लिए तैयार हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक (पी.डी.ए.) फॉर्मूले की रणनीति अपनाई, जो पिछड़ी जातियों, दलितों और अल्पसंख्यकों के बीच एकता पर केंद्रित है। उन्होंने हाशिए पर पड़े समूहों के मताधिकार से वंचित होने के बारे में चिंता जताते हुए कहा कि क्या कोई ऐसी स्थिति की कल्पना कर सकता है जहां किसी व्यक्ति चाहे वह मुस्लिम, आदिवासी, दलित या महिला हो, को उसके वोट के अधिकार से वंचित किया जाए? यादव ने इस कथित मतदाता दमन के लिए भाजपा को सभी 9 उपचुनाव सीटें हारने के डर को जिम्मेदार ठहराया। दूसरी ओर, सी.एम. योगी आदित्यनाथ वास्तव में उपचुनावों के प्रचार के दौरान सबसे अधिक सक्रिय मुख्यमंत्री थे और उन्होंने सभी हिंदू उप-जातियों को एकजुट करने के लिए 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा गढ़ा। हालांकि, सुर्खियों में उत्तर प्रदेश है, जो 80 सांसदों को लोकसभा में भेजता है, जिसके परिणाम से न केवल आदित्यनाथ के राजनीतिक भविष्य पर असर पडने् की उम्मीद है, बल्कि समाजवादी पार्टी (सपा) भी उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से एक ताकत के रूप में उभर रही है, जिसने राज्य की राजनीति में एक स्थायी बदलाव को चिन्हित किया है। केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पेश करने के लिए तैयार है। विधेयक की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने 21 नवंबर को संकेत दिया कि पैनल जल्द ही मसौदा रिपोर्ट को अपनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। हालांकि, कई विपक्षी सदस्यों ने इस कदम का विरोध किया और विधेयक पर संयुक्त समिति के कार्यकाल को बढ़ाने की मांग की। उनका तर्क था कि उन्हें मसौदे में बदलावों का अध्ययन करने के लिए और समय चाहिए। सूत्रों के अनुसार, सभी विपक्षी सांसद शीतकालीन सत्र के पहले दिन 25 नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से बातचीत करेंगे और समय सीमा बढ़ाने की अपनी मांग उठाएंगे। समिति ने गुरुवार को अपनी 28वीं बैठक की। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ऑल बंगाल इमाम मुअज्जिन एसोसिएशन और ज्वाइंट फोरम फॉर वक्फ प्रोटैक्शन जैसे संगठनों के नेतृत्व में सैंकड़ों प्रदर्शनकारी वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का विरोध करने के लिए 19 नवंबर को कोलकाता में एक साथ आए। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जे.पी.सी. की बैठकों से बार-बार बाहर निकलने के लिए विपक्षी सांसदों की आलोचना करते हुए, प्रदर्शनकारियों ने धर्मनिरपेक्ष सांसदों को आगे के वाकआऊट के खिलाफ चेतावनी दी, कहा कि इस तरह की कार्रवाई संसद से स्थायी रूप से हटाए जाने का कारण बन सकती है। दूसरी ओर, 25 नवंबर से शुरू होने वाला प. बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र महत्वपूर्ण होने जा रहा है, क्योंकि ममता बनर्जी सरकार केंद्र के प्रस्तावित वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का विरोध करने के लिए प्रस्ताव पेश करने पर विचार कर रही है। जवाबी कार्रवाई के तौर पर, प्रस्ताव का उद्देश्य राज्य के विरोध को दर्ज करना और वक्फ मामलों पर राज्य की स्वायत्तता बनाए रखते हुए अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के उपायों की रूपरेखा तैयार करना है। टी.एम.सी. ने केंद्रीय कानून का कड़ा विरोध किया और इसे राज्य के अधिकारों का अतिक्रमण और अल्पसंख्यक समुदायों को हाशिए पर डालने वाला कदम बताया। जबकि भाजपा ने राज्य सरकार के इस कदम की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक दिखावा बताया है। दूसरी ओर, केंद्र के विधेयक का विरोध कर रहे माकपा और कांग्रेस ने भी टी.एम.सी. की मंशा पर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश में गुरुवार को जीतू पटवारी की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के साथ पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति, प्रदेश कार्यकारिणी, स्थायी आमंत्रित और विशेष आमंत्रित सदस्य भी मौजूद रहे। बैठक 2 अलग-अलग सत्रों में हुई, जिसमें पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाने के लिए लंबी और विस्तृत चर्चा हुई।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने मोदी की प्रतिबद्धता

ललित गर्ग

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा किया। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है।

अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका

है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो।

भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि ''आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।'' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बड़े नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है। कठोर परिश्रम एवं अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने दुनिया को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करते हुए भारत एक महाशक्ति के रूप में उभरते हुए विश्व नेतृत्व की क्षमताओं को उजागर कर रहा है। मोदी की सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं, आत्मनिर्भर जीवनयापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं जिसे समूची दुनिया आश्चर्य से देख रही है। 'सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। मोदी के नेतृत्व में कई परिवर्तनकारी पहल की गई हैं, जिनका भारत पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। उनके 'स्वच्छ भारत' अभियान ने पूरे देश में स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई है, जबकि 'मेक इन इंडिया' पहल का लक्ष्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना है। इसके अतिरिक्त, मोदी के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम ने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया है, जिससे प्रौद्योगिकी सभी के लिए अधिक सुलभ हो गई है। दस वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा भारत बना है, उसमें विश्व को नयी दिशा देने की क्षमता है। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

मनु जी ने ब्राह्मण के इन वचनों को वेद बताया है। इससे निश्चित हुआ कि मनु जी की सम्मति में ब्राह्मण वेदग्रन्थ है।

(16) आपस्तम्ब जी कहते हैं मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम्।। (आपस्तम्ब श्रौतसूत्र 24 : 1।31) अर्थात्- मन्त्र और ब्राह्मण दोनों को वेद कहते हैं।

(17) बौधायन जी कहते हैं-मन्त्रब्राह्मणं वेद इत्याचक्षते। (बौधायन गृह्यसूत्र 2।1।1) अर्थात् - मन्त्र ब्राह्मण दोनों को वेद कहा जाता है।

(18) महर्षि सत्याषाढ जी लिखते हैं- मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम्। (सत्याषाढ श्रौतसूत्र 1।1।5) अर्थात् - मन्त्र और ब्राह्मण का नाम वेद है।

(19) महर्षि कौशिक जी लिखते हैं- आम्नायः पुनर्मन्त्राश्च ब्राह्मणानि च। (कौशिकसूत्र 1।3) अर्थात्- मन्त्र और ब्राह्मण दोनों को आम्नाय वेद कहते हैं ।

(20) कात्यायन ऋषि कहते हैं- मल्गब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम्। (कात्या0 प्रतिज्ञासूत्र) अर्थात् - वेद नाम मन्त्र और ब्राह्मण का है।

(21) सायणाचार्य लिखते हैं- मन्त्रब्राह्मणात्मकः शब्दराशिर्वेदः। (ऋग्वेद उपोद्घात)

अर्थात्- मन्त्र ब्राहाणात्मक शब्द समुदाय को वेद कहते हैं।

(22) महर्षि वात्स्यायन पुराणों और ब्राह्मणों को भिन्न 2 ग्रन्थ मानते हैं। यथा प्रमाणेन खलु ब्राह्मणेन इतिहासपुराणस्य प्रामाण्यमभ्युपगम्यते । (न्यायदर्शन भाष्य 4। 1 ।62) अर्थात् - ब्राह्मण के प्रमाण से इतिहास पुराण की प्रामाणिकता सिद्ध होती है। यहाँ यदि उक्त दोनों ग्रन्थों को विभिन्न न माना जाए तो प्रामाण्य-प्रमेयभाव तगठित नहीं हो सकता। अर्थात् अभियुक्त और साक्षी दो भिन्न 2 व्यक्ति ही हो सकते हैं।

क्रमशः ...

गुरु तेग बहादुर ने बलिदान दे दिया लेकिन औरंगजेब के आगे नहीं झुकाया सिर

अदिति चौधरी

भारत के गौरवपूर्ण इतिहास में कई ऐसे क्रांतिकारी पुरुषों का जन्म हुआ, जिन्होंने अपने धर्म, संस्कृति, आदर्शों एवं मूल्यों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी। इन महान पुरुषों में सिखों के 9वें श्री गुरु तेग बहादुर सिंह का नाम भी एक है। गुरु तेग बहादुर को हिंद की चादर भी कहा जाता है। इन्होंने अपने धर्म को बचाने के खातिर अपनी बलि दे दी। 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस मनाया जाता है।

गुरु तेग बहादुर का जन्म अमृतसर में 21 अप्रैल, 1621 को माता नानकी और सिखों के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद के यहां हुआ था। बचपन में गुरु तेग बहादुर का नाम त्यागमल था। गुरु तेग बहादुर, गुरु हरगोबिंद साहिब के सबसे छोटे बेटे थे।

गुरु तेग बहादुर ने धर्म के प्रचार-प्रसार व लोक कल्याणकारी कार्य के लिए कई स्थानों का भ्रमण किया। आनंदपुर से कीरतपुर, रोपड, सैफाबाद के लोगों को संयम तथा सहज मार्ग का पाठ पढ़ाते हुए वे खिआला (खदल) पहुंचे। यहां से सत्य मार्ग पर चलने का उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचे। कुरुक्षेत्र से यमुना किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुंचे और यहां साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। यहां से प्रयाग, बनारस, पटना, असम गए और आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए कई रचनात्मक कार्य किए। इन्हीं यात्राओं के बीच 1666 में गुरुजी के यहां पटना साहिब में पुत्र गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म हुआ, जो सिखों के दसवें गुरु बने। गुरु तेग बहादुर के समकालीन मुगल शासक औरंगजेब थे। भारत में औरंगजेब की छवि कट्टर बादशाह के रूप में थी। सिख इतिहास की किताब में दावा किया गया है कि औरंगजेब के शासनकाल में जबरन हिंदूओं का धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। कश्मीरी पंडित इसके सबसे ज्यादा शिकार हुए। कश्मीरी पंडितों का एक प्रतिनिधिमंडल श्री आनंदपुर साहिब में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में मदद के लिए पहुंचा।

गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को उनके धर्म की रक्षा का आश्वासन दिया और हिन्दुओं को बलपूर्वक मुस्लिम बनाने का खुले स्वर में विरोध किया। साथ ही कश्मीरी पंडितों की इफाजत का जिम्मा अपने सिर ले लिया। उनके इस कदम से औरंगजेब गुस्से से भर गया। उसने इसे गुरु तेग बहादुर की खुली चुनौती मान ली।

गुरु तेग बहादुर को इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाने लगा। %सिख इतिहास% किताब के अनुसार, गुरु तेग बहादुर को मारे से पहले औरंगजेब ने उनके सामने तीन शर्तें रखी थीं - कलमा पढ़कर मुसलमान बनने की, चमत्कार दिखाने की या फिर मौत स्वीकार करने की। गुरु तेग बहादुर ने धर्म छोड़ने और चमत्कार दिखाने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे अपना सिर कलम करवा सकते हैं, पर अपने बाल नहीं कटवाएंगे।1675 ई. में दिल्ली के चांदनी चौक में जल्लाद जलालदीन ने तलवार से गुरु साहिब का शीश धड़ से अलग कर दिया। लाल किले के सामने आज उसी जगह पर गुरुद्वारा शीशगंज साहिब स्थित है।

यदि रूस ने एटमी जंग छेड़ दिया तो अमेरिका व उसके मित्र देशों की तबाही तय है?

कमलेश पांडे

भारत के राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने कहा था कि छीनता हो सत्व कोई, और तू त्याग-तप के काम ले यह पाप है। पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे, बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो। शायद अपने मित्र देश के त्रिकालदर्शी कवित्व सोच पर ततपरतापूर्वक अमल करते हुए ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी नई परमाणु नीति-2024 पर साइन की हो। जिसमें दो टूक घोषणा की गई है कि यदि किसी भी परमाणु शक्ति वाले देश के समर्थन से कोई रूस पर हमला करता है तो इसे उनके देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा। इसके तहत, अगर कोई देश किसी परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के सहयोग से रूस या उसके मित्र देश पर हमला करता है, तो इसे रूस पर साझा हमला माना जाएगा और ऐसी हालात में रूस एटम बम का इस्तेमाल कर सकता है। बता दें कि पुतिन की न्यूक्लियर डेटरेट फोर्स में जमीनी, समुद्री और वायुसेना शामिल है, यानी हमले पर रूस तीनों जगहों से पलटवार करेगा।

ऐसे में सवाल उठता है कि नई नीति पर साइन करने के बाद यदि रूस पर कोई भी बड़ा हवाई या ड्रोन हमला होता है तो वह परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। क्योंकि यूक्रेन संघर्ष के 1000 वें दिन रूस ने परमाणु हमले पर जो अपनी नीति बदली है, उससे स्पष्ट है कि अमेरिकी शह पर यदि यूक्रेन ने रूस के विरूद्ध ज्यादा घातक कार्रवाई की तो रूस इस हमले का जवाब एटम बम से देगा। यह सीधे में बने पूरे गठबंधन खासतौर पर अमेरिकी अगुआई वाले नाटो को दिया गया स्पष्ट संकेत है। हालांकि, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि रूस परमाणु युद्ध छिड़ने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश करेगा।

लेकिन सवाल है कि वह भी ऐसा तभी कर पाएगा जबकि दुनिया का सुपर पावर अमेरिका उसके पड़ोसी देशों को उकसाने की कार्रवाई बंद करेगा, जो

वह करने वाला नहीं है। क्योंकि यह उसकी फितरत है, सत्तागत प्रवृत्ति है, कारोबारी प्रकृति है, जो हथियार निर्माता लॉबी की हथियार खपाओ रणनीति पर काम करती है, आधारित होती है।

बहरहाल, रूस ने जिस तरह से दावा किया है कि यूक्रेन ने अमेरिका से मिली लंबी दूरी की मिसाइल से उस पर हमला किया है। लिहाजा वह उचित तरीके से जल्द जवाब देगा, से यूरोपीय देशों में खलबली मच गई है। नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड जैसे नाटो के देशों ने अपने-अपने नागरिकों को युद्ध के गंभीर होने को लेकर सतर्क किया है।

आलम यह है कि जहां एक ओर अमेरिका, यूक्रेन को रूस पर हमले के लिए लंबी दूरी की मिसाइल के उपयोग की अनुमति देता है, उसे अमेरिकी लैंड माइंस देने का निर्णय लेता है, वहीं, दूसरी ओर यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने दूतावास रूस के बड़े हमले के भय से बंद कर देता है। उसकी देखा-देखी नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड भी अपने दूतावास बंद कर देते हैं। उधर, यूक्रेन अपने शत्रु रूस के खिलाफ अमेरिकी मिसाइल के उपयोग के बाद ब्रिटिश (इंग्लैंड) मिसाइल का उपयोग करके रूस को और भड़काने की कोशिश करता है। इससे साफ है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेन्स्की विदेशी यानी नाटो देशों की मदद से रूस को पछाड़ने की फितरत से युक्रेनियों को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं, जो उनकी सियासी मूर्खता है।

सवाल है कि जब पुतिन ने अपने देश में परमाणु युद्ध से बचाव वाले शेल्टर्स बनवाने शुरू कर दिए हैं तो यह तय भी कर लिया होगा कि जैसे अमेरिका ने जापान के खिलाफ परमाणु बम का प्रयोग करके विश्वशक्ति बन गया, कुछ वैसी ही ताकत यूक्रेन व उसको शह देने वाले देशों को परमाणु सबक सिखलाकर हासिल की जा सकती है। चीन से लेकर उत्तर कोरिया तक और ईरान जैसे देशों की रूस की इस नई रणनीति को मूक समर्थन प्राप्त है। वहीं, भारत की तटस्थता भी रूस के लिए समर्थन जैसा ही है।

दरअसल, कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भावनाओं को दरकिनार करते हुए यूक्रेन को रूस के भीतर अमेरिकी मिसाइलों के इस्तेमाल की मंजूरी की दी थी। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि आखिर पुतिन ने अपनी एटमी नीति क्यों बदली? तो जवाब में रूसी मामलों के जानकारों का कहना है कि पुतिन का मकसद यही है कि यूक्रेन का समर्थन कर रहे देश उस पर हमला न कर सकें। ऐसे खतरों से बचने के लिए ही एटमी हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत देना एक तरह से पश्चिमी देशों को पीछे हटने को मजबूर करना है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों से इंग्लैंड ने हाल में ही यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत दी है, जिसके दृष्टिगत अब तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराने लगा है? अमेरिका ने तो लैंड माइंस भी देने का निर्णय लिया है। इससे रूस आगबबूला हो चुका है।

सवाल है कि अमेरिकी मंजूरी के बाद लगे हाथ यूक्रेन ने पहली बार रूस के अंदरूनी इलाके में अमेरिकी मिसाइलें दागी हैं। बताया गया है कि यूक्रेनी सेना ने मंगलवार तड़के ब्रांस्क (Bryansk) क्षेत्र में 6 अमेरिकी ATACMS मिसाइलें दागी हैं। हालांकि, रूसी एयर डिफेंस सिस्टम एस 400 ने 5 मिसाइलों को मार गिराया। यह हमला कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी वाले सैन्य ठिकानों पर किया गया। वहीं, रूस ने भी जवाब दिया, जिसमें 12 यूक्रेनीयों की मौतें हुई हैं। इससे नाटो देशों को अब एटमी जंग का खतरा मंडराता दिख रहा है। लिहाजा, इन देशों ने अपने नागरिको को भयावह जंग के लिए तैयार होने की सलाह दी है।

देखा जाए तो खुद रूसी फेडरेशन की सिक्योरिटी काउंसिल में डिप्टी चेयरमैन दिमित्री मेदवेदेव ने दो टूक कहा है कि रूस की नई परमाणु नीति का मतलब है कि हमारे देश के खिलाफ दागी गई नाटो मिसाइलों को रूस पर हमला मानेंगे। जिसके जवाब स्वरूप कीव और प्रमुख नाटो ठिकानों के खिलाफ, चाहे वे कहीं भी हो, एटमी हथियार से जवाब दे सकते हैं। मतलब तीसरा विश्व युद्ध में कोई संशय नहीं! ये कभी भी शुरू हो सकता है!

रूस की नई परमाणु नीति से 6 बातें स्पष्ट हैं- पहला, किसी एटमी ताकत वाले देश की मदद से रूस की सरजमी पर पारंपरिक मिसाइल से भी हमला होता है तो ऐसी स्थिति में रूस एटमी हथियार से जवाब देने को स्वतंत्र होगा। दूसरा, अगर रूस की सीमा पार करके कोई हथियार हवा से आता है, तो इसे रूस के खिलाफ जंग माना जाएगा। ऐसी स्थिति में भी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता है। तीसरा, रूस को अगर ऐसा लगा कि उसके देश को और लोगों को खतरा है तो वह एटमी मिसाइल और मिसाइल डिफेस सिस्टम को तैनात कर सकता है। चौथा, कोई देश रूस के खिलाफ ड्रोन हमला करता है, तो भी इसका जवाब न्यूक्लियर डेटरेस यानी एटमी हथियार से किया जा सकता है। पांचवां, रूस के खिलाफ बलिस्टिक मिसाइल का भी इस्तेमाल हुआ तो जवाब में पूतिन प्रशासन परमाणु हमला कर सकता है। छठा, स्पेस से हमले की स्थिति में रूस अपने मिसाइल डिफेंस सिस्टम को एक्टिवेट करेगा, साथ ही स्पेस में कभी एटमी हमला किया जा सकता है। इसलिए अमेरिका और उसके मित्र देश सावधान हो जाएं। क्योंकि यदि रूस ने उनके खिलाफ एटमी जंग छेड़ दिया तो अमेरिका व उसके मित्र देशों की तबाही तय है!

आज का इतिहास

1831 ब्रिटेन के भौतिकशास्त्री माइकल फेरेडे ने बिजली की खोज की।
1832 दक्षिण कैरोलिना ने अधिसूचना का अध्यादेश पारित किया
1859 ब्रिटिश प्रकृतिवादी चार्ल्स डार्विनवास द्वारा प्रजाति की उत्पत्ति पर पहली बार प्रकाशित हुआ, और पहले दिन इसका प्रारंभिक प्रिंट रन बेचा।
1863 अमेरिकी गृहयुद्ध-युद्ध के दौरान, टेनेसी, टेनेसी, टेनेसीओनाओ अभियान के हिस्से के रूप में, केंद्रीय बलों ने शहर के कॉन्फेडरेट घेराबंदी को तोड़ने में मदद करने के लिए लुकआउट माउंटेन पर कब्जा कर लिया।
1871 राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन का आयोजन किया गया।
1877 अन्ना सेवेल के प्रभावशाली पशु कल्याण उपन्यास ब्लैक ब्यूटी, जो अब तक की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तकों में से एक थी, पहली बार प्रकाशित हुई थी।
1877 डिप्टी कमिश्नर बनने वाले पहले हिंदुस्तानी कवासाजी जमाशेदजी पेटिगरा का जन्म हुआ।
1903 क्लाइड कोलमैन ने ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रिक स्टार्टर का पेटेंट कराया।
1906 एक स्थानीय समाचार पत्र ने दो टीमों के सदस्यों पर जानबूझकर गेम हारने का आरोप लगाया, जो अमेरिकी फुटबॉल में पहला बड़ा घोटाला था।
1914 बेनिटो मुसोलिनी को इटालियन समाजवादी पार्टी से बाहर निकला गया।
1950 पूर्वोत्तर के बढ़ने से पहले, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर एक बड़े समुद्री चक्रवात स्टॉर्म ऑफ द सेंचुरी ने प्रहार किया।
1950 अपालेचियन के महान तूफान के नाम से मशहूर हुआ, यह चक्रवात अपने साथ 250 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार की तेज हवाएं लाया।
1961 विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएफपी) को संयुक्त राष्ट्र के अस्थायी कार्यक्रम में शामिल किया गया।
1962 ब्रिटिश व्यंग्य उछाल का एक महत्वपूर्ण तत्व द वीक द वेट द वीक थाटस, फ़र्स्टब्रॉडकास्ट था।
1963 व्यवसायी जैक रूबी ने जीवित टेलीविजन प्रसारण के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के कथित हत्यारे ली हार्वे ओसवाल्ड को गोली मारकर घायल कर दिया और इस मामले पर साजिश के सिद्धांतों को हवा दी।
1966 कांगो की राजधानी किंसासा में पहला टीवी स्टेशन खुला।

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

उमेश चतुर्वेदी

चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता।

घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत-प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है।

चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों, उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके।

चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे।

चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करने का

निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था,

- चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है।
- आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है।
- अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है।

इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड-लाइन जारी की थी। इसके अनुसार,

- चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा।
- संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो।
- पारदर्शिता, समान अवसर और वायदों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र में किए गए वादे स्पष्ट हों और इसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, इसकी भी जानकारी हो। मतदाताओं का भरोसा उन्हीं वादों पर हासिल करना चाहिए, जिन्हें पूरा किया जाना संभव हो।

दुर्भाग्यवश चुनाव आयोग की गाइड लाइन भी बहुत प्रभावी नहीं हो पा रही है। हवा-हवाई वायदे भी खूब किए जा रहे हैं। इनमें रोजगार और नौकरियों को लेकर की जाने वाले वायदे पहले नंबर पर हैं। कल्याणकारी योजनाएं भी इसी कैटेगरी में आती हैं। लेकिन बहुत कम राजनीतिक दल ऐसे हैं, जो कल्याणकारी योजनाओं से संबंधि वायदे करते वक्त उन्हें पूरा करने के लिए जुटाई जाने वाली रकम और उनके स्रोत और तरीकों की जानकारी नहीं देते। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता का दबाव ही है कि कल्याणकारी योजनाओं को लेकर वायदे खूब हो रहे और हर राजनीतिक दल अपने ढंग से लागू भी कर रहा है। भले ही राज्य के खजाने की हालत खस्ता ही क्यों ना हो जाए। लेकिन यह भी सच है कि उस पर खर्च होने वाले फंड के स्रोत को लेकर जानकारी नहीं दी जा रही। साफ है कि चुनाव आयोग की गाइड लाइन इस संदर्भ में नाकाम लग रही है।

मौजूदा आर्थिकी में लाभ पर जोर है, रोजगार का सवाल लगातार पीछे छूटता जा रहा है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि राजनीतिक दल इसी आर्थिकी को आगे बढ़ाने के साथ ही हवाई वायदों की फेहरिस्त भी जारी करते रहते हैं। चूंकि वोटरों के हाथ बंधे हुए हैं, इसलिए वे भी सवाल उठाने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।

यहां पर याद आता है, संविधानसभा के सदस्य अनंत शयनम अयंगार के वे शब्द, जो उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों पर अदालती चाबुक के तर्क के विरोध में दिया था। तब उन्होंने जनता की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा था कि पांच साल में एक बार जब चुनाव होंगे, तब मतदाताओं के लिए यह विकल्प होगा कि वे उन्हीं लोगों को न चुनें जो जनता की राय से अलग हैं।

लेकिन क्या ऐसा हो पा रहा है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर हवाई वायदे ना हों और जो किए जाएं, उन्हें लागू कैसे किया जाए? निश्चित तौर पर इसके लिए एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग को भी आगे आना होगा। मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था इस आत्म नियंत्रण करने से रही। चूंकि वायदों में ही सबका फायदा है, इसलिए कोई भी दल बिल्ली के गले घंटी बांधने के लिए आगे आने की हिम्मत नहीं दिखा पाएगा।

केजरीवाल को आप के कैडर पर अब नहीं रहा भरोसा

संतोष पाठक

नई तरह की राजनीति करने का दावा कर, राजनीति के मैदान में उतरे अरविंद केजरीवाल अब थकते हुए से नजर आ रहे हैं। शराब घोटाला, डीटीसी बस घोटाला और इस तरह के अनगिनत घोटालों का आरोप झेल रहे केजरीवाल भले ही कितनी भी मजबूती से अपना बचाव करने का प्रयास करें लेकिन शीशमहल ने उनकी छवि पर बड़ा सवालिया निशान तो लगा ही दिया है। जेल से बाहर निकल कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल भले ही लाख तर्क दें लेकिन भारतीय राजनीति की इस खासियत और इतिहास को भी वह बखूबी समझते हैं और जानते भी हैं। केजरीवाल को यह अहसास है कि आज की तारीख में वह मुख्यमंत्री नहीं है। वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी भले ही सार्वजनिक रूप से यह कहती रहें कि केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह यह विधानसभा चुनाव जीतना चाहती हैं लेकिन आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो को इस बात का अहसास है कि

अगर उनकी पार्टी जीत भी गई तो भी एक महिला को हटाकर मुख्यमंत्री बनना उनके लिए आसान नहीं होगा। शायद यही वजह है कि पार्टी के मूल कैडर से हटकर अरविंद केजरीवाल इस बार दूसरी पार्टियों के बागियों पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। असुरक्षा की भावना ने उन्हें इस तरह से घेर लिया है कि इस बार वो पार्टी के विधायक दल में भी पूरी तरह से केजरीवाल को नेता मानने वालों को ही जीता कर लाना चाहते हैं। यहां यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि पार्टी के सुप्रीमो होने और पार्टी पर मजबूत पकड़ होने के बावजूद केजरीवाल जेल में रहने के दौरान तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल से आदेश तो भिजवाते रहे लेकिन बगावत के डर से अपनी पत्नी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने की हिम्मत नहीं कर पाए थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा 21 नवम्बर गुरुवार को जारी किए गए 11 उम्मीदवारों की लिस्ट में यह भावना साफ-साफ नजर आती है। केजरीवाल ने किराड़ी विधानसभा सीट से अपने मौजूदा विधायक ऋतुराज झा का टिकट काट कर हाल ही में भाजपा से आए इलाके के पूर्व विधायक अनिल झा को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा से ही आए ब्रह्म सिंह तंवर को छतरपुर से और बीबी त्यागी को लक्ष्मी नगर से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं कांग्रेस से टिकट के लिए आम आदमी पार्टी में शामिल हुए जुबैर चौधरी को सीलमपुर, सुमेश शौकीन को मटियाला और वीर सिंह धींगान को सीमापुरी से टिकट थमा दिया गया है। कांग्रेस से विधायक रह चुके वीर सिंह धींगान को टिकट देते समय केजरीवाल शायद यह भी भूल गए कि आंदोलन के शुरुआती दौर में उनकी साथी रह चुकी और 2005 से उनके हर संघर्ष में साथ देने वाली स्वर्गीय संतोष कोली ने इनके खिलाफ लंबा संघर्ष किया था। यानी आम आदमी पार्टी ने अपने 11 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में भाजपा और कांग्रेस से आने वाले 6 नेताओं को टिकट थमा कर यह बता दिया है कि इस बार अरविंद केजरीवाल को आप के कैडर की भाजपा और कांग्रेस के बागियों पर ज्यादा भरोसा है। आप को 59 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान अभी और करना है और यह माना जा रहा है कि आने वाली लिस्टों में भी यही ट्रेंड जारी रहेगा।

हिमाचल में वोट देने वाली जनता गारंटियों का मातम मना रही

डा. राजीव बिंदल

दिसम्बर, 2024 में हिमाचल प्रदेश में बनी कांग्रेस की सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। बहुत ही उम्मीदों के साथ हिमाचल प्रदेश की जनता ने कांग्रेस की सरकार को सत्ता की चाबी सौंपी और सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार का गठन हुआ। 2 वर्ष के कार्यकाल का आकलन करना नितांत आवश्यक है क्योंकि कांग्रेस कुछ गारंटियों के दम पर सत्ता में आई तो पहली अपेक्षा, पहली उम्मीद मतदाताओं की उन गारंटियों को पूरा करने की रही जो चुनावों के दौरान दी गई थीं। इसमें ध्यान देने योग्य बात यह है कि चुनाव में गारंटियां देते समय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं से लेकर गली-मोहल्ले के नेता तक सभी ने घोषणा की कि गारंटियां पहली कैबिनेट बैठक में पूरी की जाएंगी और इन भाषणों की क्लिपिंग्स प्रत्येक व्यक्ति के मोबाइल में मौजूद है।

गारंटियों के प्रभाव से सत्ता तो आ गई और पहली कैबिनेट बैठक के बाद आज तक लगभग 75 से ज्यादा कैबिनेट मीटिंगें भी हो गईं परन्तु वह 1 लाख सरकारी नौकरियां, वह 28 लाख बहनों को मिलने वाला 1500 रुपए महीना, 22 लाख बिजली उपभोक्ताओं को मिलने वाली 300 यूनिट फ्री बिजली, 5 लाख रोजगार, 100 रुपए लीटर किसानों से दूध, 2 रुपए किलो गोबर खरीदने जैसी गारंटियां आज भी नदारद हैं और वोट देने वाली जनता इन गारंटियों का मातम मना रही है। इसके विपरीत मुख्यमंत्री महोदय और

उनके सारे सहयोगी घोषणाएं करते घूम रहे हैं कि 5 गारंटियां पूरी कर दीं अर्थात 'एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी'। गारंटियां दी नहीं और धौंस ऐसे जमा रहे हैं जैसे मान लो हमने गारंटियां दे दीं। कांग्रेस की सरकार के सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री ने नियमों की, कानूनों की बलि चढ़ाते हुए अनधिकृत रूप से 6 मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति कर दी।

कांग्रेस की आपसी खींचतान में संतुलन बनाने के लिए सरकारी खजाने को दाव पर लगा दिया और गैर-कानूनी तौर पर सी.पी.एस. को मंत्रियों वाले सारे लाभ व अधिकार दे दिए। मामला यहीं नहीं रुका, मित्रों की फौज को चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, ओ.एस.डी. और सलाहकार जैसे पद रेवड़ियों की तरह बांट दिए। उन्हें भी कैबिनेट दर्जा देते हुए प्रदेश के संसाधनों, कानूनों को ठेंगा दिखाते हुए मित्र मंडली का राज प्रदेश में स्थापित कर दिया।

परिणाम यह हुआ कि आर्थिक अव्यवस्था फैल गई और प्रदेश कर्मचारियों की तनख्वाह देने के लिए मोहताज हो गया। प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में सभी सरकारों ने नए स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, दफ्तर इत्यादि खोलने का काम समय-समय पर किया परन्तु सुखविन्द्र सिंह सुक्खू सरकार प्रदेश में निराली सरकार आई जिसने एक ही आदेश से 900 से अधिक संस्थान बंद कर दिए और दूसरे आदेश से 600 से अधिक स्कूल बंद कर दिए और इसको नाम दिया गया व्यवस्था परिवर्तन का।

अब पहली कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चे 3-5 किलोमीटर पैदल पढने जा रहे हैं, मरीजों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की दूरियां बढ़ गईं, पटवार सर्कलों, सब-तहसीलों, तहसीलों, एस.डी.एम. दफ्तरों को बंद करके सामान्य जनता के ऊपर भारी-भरकम बोझ डाल दिया गया। इसका नाम व्यवस्था परिवर्तन रख दिया। बहुत शानदार तरीके से आयुष्मान भारत के साथ-साथ 'हिमकेयर योजना' के माध्यम से लाखों हिमाचलियों का इलाज हो रहा था, व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर इसे भी बंद कर दिया।

असहाय व्यक्तियों की सहायता के लिए 'सहारा योजना' के माध्यम से सेवा हो रही थी, इसे भी व्यवस्था परिवर्तन की भेंट चढ़ा दिया गया। सड़कों का निर्माण बंद, पेयजल योजनाओं का काम बंद, विकास बंद, डीजल पर 7 रुपए टैक्स, बिजली के दामों में 46 प्रतिशत की बढ़ौतरी, मुफ्त मिलने वाले पानी पर 100 रुपए का टैक्स, पानी के बिलों में 500 प्रतिशत तक की बढ़ौतरी, स्टाम्प ड्यूटी में 500 प्रतिशत की बढ़ौतरी, राशन के डिपुओं पर मिलने वाले तेल, दालें, चावल, आटा महंगा, सरकारी बसों में किराया महंगा, हिमाचल में सीमैंट महंगा, यह है व्यवस्था परिवर्तन का सुक्खू युग, जिसने प्रदेश की जनता को दुख ही दुख दिया। कहावत है कि 'माल मालिकों का, मशहूरी कंपनी की', यह चरितार्थ हो रहा है हिमाचल में। नरेन्द्र मोदी की सरकार हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए नए-नए फोरलेन हाईवे का निर्माण कर रही है जिन पर 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का ग्रामीण सड़कों का काम चल रहा है, टनलों का निर्माण कर हिमाचल को चकाचक किया जा रहा है। केन्द्र सरकार की योजना 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से घर-घर में नलके लगाते हुए नल से स्वच्छ जल का काम चल रहा है। 2 वर्ष का सुखविन्द्र सिंह सरकार का कार्यकाल प्रदेश की जनता के लिए कठोर और मित्रों के लिए मौज-मस्ती भरा रहा। जनता त्रस्त, कांग्रेस मस्त।

ट्रंप की नीति कारगर, भारत को भी चौकसी बढ़ाने की जरूरत

शिवदान सिंह

झारखंड में विधानसभा के चुनाव के दौरान राजनीतिज्ञों का घुसपैठ की समस्या पर ध्यान गया। भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि घुसपैठियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इनके द्वारा कब्जा की हुई संपत्ति को उनके मालिकों को लौटाया जाएगा। वर्ष 1951 की जनगणना में झारखंड क्षेत्र में आदिवासियों की कुल आबादी का 44.6 फीसदी थी। वर्ष 2011 में यह आबादी 9.44 से लेकर 22.73 फीसदी तक ही रह गई है, जो चिंता का विषय है।

झारखंड में ज्यादातर घुसपैठ वहां के संथाल प्रमंडल, जो बंगाल की सीमा से लगा हुआ है, के रास्ते से की जाती है। वहां से ये बांग्लादेशी इस संभाग के छह जिलों में फैल जाते हैं। इन घुसपैठियों का मुख्य उद्देश्य वहां की आदिवासी लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फंसाकर जमीनों?पर कब्जा करना है, क्योंकि झारखंड में आदिवासी समुदाय के लिए कानून है कि यहां पर लड़कियों को जमीन का हक मिलता है। इसी प्रकार उत्तर पूर्व के राज्यों, जिनकी सीमाएं बांग्लादेश से लगती हैं, वहां पर घुसपैठियों की समस्या उग्र हो रही है। ये घुसपैठिये बांग्लादेश और म्यांमार से इन राज्यों में घुसते हैं। कुछ समय पहले असम में रोहिंग्या घुसपैठियों ने सरेआम प्रदर्शन कर आजादी की मांग की। इसी प्रकार 1992 से 1999 के बीच में म्यांमार से आए कुकी और नगाओं तथा कुकी व वहां के पेटियों के बीच हिंसक संघर्ष हुए। इसी तरह बांग्लादेश से आए रोहिंग्याओं ने पूरे उत्तर पूर्वी राज्यों त्रिपुरा, नगालैंड, असम और मणिपुर आदि में वहां की शांति को भंग किया हुआ है। इससे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती पैदा हो गई है। इसी कारण अब तक मणिपुर में इनके द्वारा की जा रही हिंसा पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। रोहिंग्या घुसपैठिये बड़ी संख्या में देश भर में फैल गए हैं। पिछले लंबे समय से पश्चिम बंगाल में सत्ता

बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद से ही प्राप्त की जा रही है। बंगाल में अक्सर बांग्लादेश की तरह हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण वहां की सरकार इनके विरुद्ध सख्त कदम नहीं उठाती है।

भारत के पड़ोस में बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान हैं, जिनमें अक्सर राजनीतिक अस्थिरता चलती रहती है। जिसके कारण वहां के निवासी अपने सुरक्षित भविष्य के लिए भारत में प्रवेश करने लगते हैं। 1983 से 2009 तक श्रीलंका में गृहयुद्ध चला, जिसके कारण वहां से एक लाख तमिल शरणार्थी भारत के दक्षिणी राज्यों में घुस गए। 1971 में बांग्लादेश युद्ध से पहले पाकिस्तान की सेना के अत्याचारों के कारण बांग्लादेश से एक करोड़ शरणार्थी भारत में आए, जिनमें से ज्यादातर युद्ध के बाद बांग्लादेश जाने के बजाय देश के विभिन्न भागों में और खासकर दिल्ली में बस गए। इसी तरह वर्तमान में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध पाकिस्तान की आईएसआई के इशारे पर मुस्लिम कट्टरपंथी अत्याचार कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में वहां के प्रताड़ित नागरिक भारत में घुसपैठियों के रूप में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे ही हालात पाकिस्तान में भी पैदा होते हैं, जिनके कारण वहां के हिंदू अल्पसंख्यक भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हो जाते हैं। मानवता के आधार पर भारत सरकार ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आने वाले हिंदू, सिख और ईसाई शरणार्थियों के लिए भारतीय नागरिक संशोधन कानून पास किया था। मगर देश के कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के कारण इसको भारत के मुस्लिम नागरिकों के विरुद्ध बताकर, उनकी सहानुभूति हासिल करने के लिए इसका भी विरोध कर रहे हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के अंदर घुसपैठ पर?चिंता व्यक्त की थी। उनके अनुसार, अरब देशों से आए मुस्लिम कट्टरपंथियों ने अमेरिका की शांति को भंग कर दिया है। प्रमुख शहरों न्यूयॉर्क और शिकागो में उग्र प्रदर्शनों के द्वारा जिहाद की मांग उठाई है। ये जिहादी खासकर वहां पर बसे यहूदियों के विरुद्ध हैं और इस्राइल के साथ युद्ध कर रहे हमास व हिजबुल्ला के समर्थन में अमेरिका में प्रदर्शन करते हैं। कट्टरपंथियों ने वहां के शिक्षा संस्थानों जैसे-विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में अपना प्रभाव स्थापित कर लिया है। इसका वहां के युवकों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए ट्रंप ने इन घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का भरोसा देते हुए कहा है कि वह पूरे देश में अभियान चलाकर उन्हें अमेरिका से बाहर निकालेंगे। लेकिन भारत में भाजपा से पहले की सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति के कारण घुसपैठ की समस्या पर ध्यान ही नहीं दिया। इसलिए भारत सरकार को भी डोनाल्ड ट्रंप की तरह घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने की दिशा में कदम उठाने की जरूरत है। भारत की सीमाएं दुश्मन देशों से लगती हैं, इसलिए चौकसी बढ़ाने की जरूरत है, ताकि घुसपैठिये?प्रवेश ही न कर पाएं।

क्या बाइडन के विरुद्ध भी वारंट जारी होगा?

दीपक कुमार शर्मा

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा बृहस्पतिवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की गूंज न केवल इस्राइल में सुनाई देगी, बल्कि इससे बाइडन की नीतियों पर भी सवाल खड़े होते हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) का मानना है कि इस्राइल ने गाजा में युद्ध अपराध किए हैं और नागरिकों को जानबूझकर भूखा रखने की नीति अपनाई है, तो सवाल उठता है कि आखिर किसके हथियारों का इस्तेमाल किया गया। किस देश ने संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल का बचाव किया और भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के बेहद सशक्त प्रयासों को रोका? इसका उत्तर, निश्चित रूप से अमेरिका है। मई में राष्ट्रपति बाइडन ने आईसीसी अभियोजकों के वारंट के अनुरोध की निंदा की और कहा कि 'इस्राइल और हमास में कोई समानता नहीं है-बिल्कुल भी नहीं।' लेकिन एक अमेरिकी बच्चे और एक इस्राइली बच्चे और एक फलस्तीनी बच्चे के बीच?नैतिक समानता है। वे सभी संरक्षित होने के हकदार हैं।

हमें इस तरह से काम नहीं करना चाहिए, जैसे कि बच्चों के जीवन मूल्य में कोई भेदभाव हो, जिसमें कुछ के जीवन का मोल हो और कुछ के जीवन का कोई महत्व ही न हो। मैंने जिन सहायता कार्यकर्ताओं का साक्षात्कार लिया है, वे इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि इस्राइल ने भुखमरी को युद्ध के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया है। वारंट पर संदेह करने वाले अमेरिकियों का आवेग, गाजा पर इस्राइल के हमले से पहले हमास द्वारा सात अक्तूबर को किए गए अत्याचारों की क्रूरता को ध्यान में रखकर प्रतिक्रिया देगा। तटस्थ होकर आईसीसी ने मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए हमास नेता के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया। प्रमुख मुद्दा यह है कि एक पक्ष द्वारा किए गए युद्ध अपराध दूसरे पक्ष द्वारा किए गए अतिरिक्त युद्ध अपराधों को उचित नहीं ठहराते। हमें हमास द्वारा किए गए हमलों की बर्बरता की एकजुट होकर निंदा करनी चाहिए, लेकिन वह बर्बरता गाजा में पूरे पड़ोस को नष्ट करने के लिए इस्राइल द्वारा अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल को माफ नहीं करती है। बाइडन ने रूस द्वारा नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए पैदा की गई चुनौतियों के बारे में काफी कुछ कहा है, और यूक्रेन में रूसी बर्बरता के कारण ही व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। लेकिन अगर हम यूक्रेन में पुतिन द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन की निंदा करते हैं, तो हम उन हथियारों की आपूर्ति कैसे कर सकते हैं, जिनके?उपयोग के बारे में अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने गाजा में मानवीय कानून का उल्लंघन बताया है?

इस्राइल अब पहले से कहीं ज्यादा अलग-थलग पड़ गया है और नेतन्याहू के लिए आगे शासन करना और भी मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकियों को इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि हम कैसे और ज्यादा अलग-थलग पड़ गए हैं, जैसा कि इस हफ्ते संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव में झलकता है, जिसमें गाजा में तत्काल युद्ध विराम का आह्वान किया गया है। अमेरिका के सहयोगियों ने इसका समर्थन किया, लेकिन अमेरिका ने इस पर वीटो लगा दिया। जब अमेरिकी हथियारों का युद्ध अपराधों में इस्तेमाल किया जाता है, तो शायद अमेरिका के लिए अपनी नीति पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है।

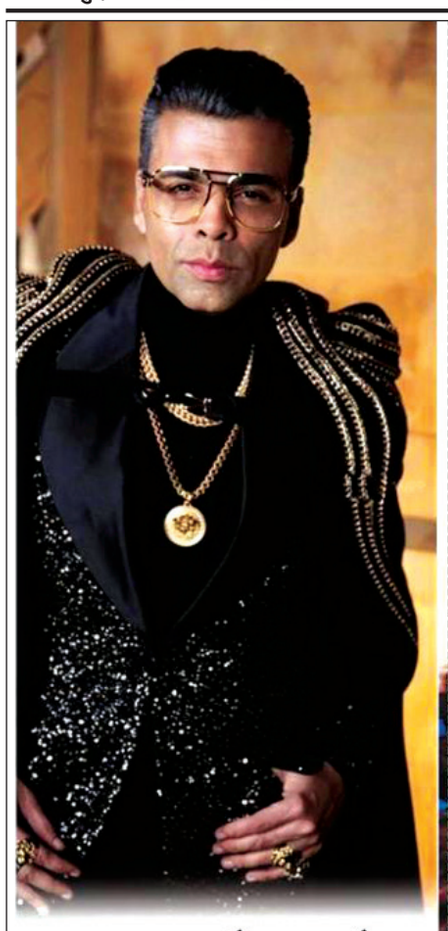

करण जौहर ने 'बागी 4' के लिए टाइगर श्रॉफ को दी शुभकामनाएं, साजिद को बताया दूरदर्शी

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की आगामी फिल्म 'बागी 4' की घोषणा इसके पहले पोस्टर के साथ कर दी है। यह फिल्म टाइगर श्रॉफ अभिनीत बागी की चौथी किस्त है। फिल्म के पहले पोस्टर के सामने आने के बाद करण जौहर ने शुभकामनाएं दी हैं। करण ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी साझा करते हुए लिखा, दूरदर्शी साजिद...नाडियाडवाला और टाइगर जैकी श्रॉफ के साथ उनके घातक संयोजन और एक ब्लॉकबस्टर यात्रा की शुरुआत के लिए बधाई। करण के इस पोस्ट से लगता है कि वह इस फिल्म के लिए उत्साहित हैं।

टाइगर श्रॉफ का दिखा खूंखार अंदाज

सोमवार को निर्माताओं ने बागी 4 से टाइगर श्रॉफ का दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए फिल्म की घोषणा की। पोस्टर में टाइगर हाथ में चाकू और पास में शराब की बोतल लिए टॉयलेट सीट पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनका चेहरा, दीवारें और फर्श खून से सना हुआ है। जबकि उनके चारों ओर कई शव पड़े हैं। बागी 4 का निर्देशन कन्नड़ फिल्म निर्माता ए हर्षा करेंगे, यह उनकी बॉलीवुड में पहली फिल्म है। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने नाडियाडवाला ग्रैंडसन बैनर तले किया है और यह 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बागी फेंचाइजी

बागी फेंचाइजी की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी। इसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी किस्त, बागी 2 वर्ष 2018 में आई थी। अहमद खान द्वारा निर्देशित यह तेलुगु फिल्म क्षणम की रीमेक थी। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी और रणदीप हुड्डा भी नजर आए थे।

ये काली काली आंखें के साथ ओटीटी पर लौट रही हैं श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी फिर लौट आई हैं। मिर्जापुर, मसान में उनकी काली काली आंखों ने खूब जलवा दिखाया और अब जिस कहानी के साथ वह ओटीटी पर लौट रही हैं, उसका तो नाम ही है, ये काली काली आंखें। इस सीरीज के दूसरे सीजन में उनके किरदार पर ही लोगों की निगाहें टिकने वाली हैं क्योंकि बाकी सारे किरदार इस कहानी में अपने पत्ते पिछले सीजन में ही खोल चुके हैं।

श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार मुझसे अलग हों और एक-दूसरे से भी अलग हों। मुझे वे दांव पसंद हैं जो उच्च ड्रामा के साथ आते हैं, जहां प्रत्येक किरदार की यात्रा गहन और प्रभावशाली लगती है। ये काली काली आंखें में शिखा का किरदार मेरे किरदार से बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद लेती हूं। सीरीज ये काली काली आखें के बारे में उनका कहना है, ये शो वास्तव में सवाल पूछता है कि आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जाएंगे? इस सीजन में शिखा खुद को इसी यात्रा पर पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को गहराई में ले जाएगा और डराएगा भी। इस सीजन में, दर्शकों को मेरे किरदार का एक स्त्री और कमजोर पक्ष दिखाई देगा, फिर भी वह उग्र और दृढ़ है। यह जीवन में एक रोमांचक संतुलन है।

ये काली काली आंखे के दूसरे सीजन का नेटफ्लिक्स पर खास प्रचार प्रसार तो नहीं हो रहा है लिहाजा इसके कलाकार अपनी बातें अपनी टीम के जरिये ही दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सीरीज का पहला सीजन भी कुछ खास नहीं रहा। लेकिन, हां श्वेता को लोगों ने पसंद किया। इस बार भी वह कुछ नए कांड इस सीरीज में करने वाली हैं।

ीरीज में अपने किरदार के बारे में भी श्वेता ने खुलासा कर दिया है। वह बताती हैं, शिखा की दुनिया तब तबाह हो जाती है जब उसका सच्चा प्यार विक्रांत पूर्वा से शादी कर लेता है, जिससे वह खोई हुई और निराश महसूस करती है। स्वभाव से डरपोक और गैर-संघर्षशील, वह शुरू में दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए किसी भी सीमा को पार करने से बचती है। इस सीजन में शिखा का एक नया पक्ष सामने आने वाला है क्योंकि वह विक्रांत के साथ अपने प्यार के लिए लड़ने का फैसला करती है।

जारी हुआ अग्नि का ट्रेलर

फायरमैन के किरदार में प्रतीक गांधी

अग्नि का ट्रेलर सोशल मीडिया पर जारी हो गया है। 2 मिनट 43 सेकेंड के ट्रेलर फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के संघर्ष की कहानी को अलग तरीके से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में प्रतीक गांधी फायर ब्रिगेड कर्मचारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, मिर्जापुर के मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु को पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर की शुरुआत में कहा जाता है कि जब आग लगती है तो हम किसे बुलाते हैं..बच्चे कहते हैं भगवान को। तो फायर ब्रिगेड कर्मचारी पूछता है, और किसे तो जवाब आता है फायर ब्रिगेड को। फिल्म के ट्रेलर में फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के जीवन की कहानी बयां की जा रही है, जिसमें प्रतीक गांधी अहम रोल निभा रहे हैं।

एक फिल्म के अंदर गुड्डू पंडित को ढालने को लेकर निश्चित नहीं हैं अली

मिर्जापुर अमेजन प्राइम वीडियो की बेहद लोकप्रिय और सफल वेब सीरीज है। हाल में इस पर फिल्म बनाने की घोषणा की गई है, जिसके बाद से फैंस अपने पसंदीदा किरदारों को फिल्मी पर्दे पर देखने के लिए काफी बेकरार हैं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान सीरीज में गुड्डू भैया के किरदार में नजर आए अभिनेता अली फजल ने इसे लेकर बात की है। उन्होंने अपने किरदार की फिल्मी रुपांतरण पर संदेह जताते हुए कहा कि वह पूरी तरह से निश्चित नहीं है कि एक फिल्म के अंदर किस तरह से उनके इस किरदार को समाया जा सकेगा। अभिनेता ने मिर्जापुर फिल्म को लेकर कहा कि अब तीनों सीजन की चीजों को नए प्रारूप में ढाल कर एक फिल्म के अंदर लाना काफी चुनौती भरा होगा। उन्होंने कहा कि वो इसे लेकर पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कहानी इस नए प्रारूप में कैसे सामने आती है। उन्होंने फिल्म को लेकर उत्सुकता जताते हुए कहा कि यह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस दौरान उन्होंने लोकप्रिय हॉलीवुड सीरीज पीकी ब्लाइंडर्स का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग उस समय ही इस शो को भी फिल्म के रूप में रूपांतरित करने की घोषणा की गई थी।

बड़े पर्दे पर तीनों सीजन की कहानी को फिट करना होगी चुनौती

अपने किरदार को लेकर बात करते हुए अली फजल ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उनकी भूमिका को और कितना आगे बढ़ाया जा सकता है, यह देखते हुए कि कई पहलुओं पर पहले ही काम किया जा चुका है। अभिनेता ने यह भी चर्चा की कि निर्माताओं के लिए उनके इतने बड़े किरदार को पर्दे पर फिट करना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। अभिनेता ने कहा, अब लक्ष्य तीनों सीजन की कहानी को एक या दो घंटे के संक्षिप्त सिनेमाई अनुभव में बदलना है, जो काफी चुनौतीपूर्ण है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कहानी इस नए प्रारूप में कैसे सामने आती है। हाल ही में, निर्माताओं द्वारा मिर्जापुर फिल्म की घोषणा करते हुए पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु और अभिषेक बनर्जी की झलक दिखाई गई थी। फरहान अख्तर द्वारा साझा किए गए इस वीडियो जानकारी साझा करते हुए बताया गया कि मिर्जापुर- द फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में आएगी। फरहान ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अब भौकाल भी बड़ा होगा और पर्दा भी। मिर्जापुर द फिल्म, जल्द ही आ रही है।

ऋतिक रोशन के कालीन भैया के किरदार में नजर आने की है अफवाह

फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर अफवाहों को दौर भी शुरू हो गया है। ऐसी ही एक अफवाह में कहा जा रहा है कि मिर्जापुर फिल्म में कालीन भैया की भूमिका में पंकज त्रिपाठी की जगह ऋतिक रोशन को लिया जाएगा। यह फिल्म मिर्जापुर की दुनिया में और गहराई से उतरेगी, जिसके तहत इसके मूल किरदार अपनी लोकप्रिय भूमिकाओं को दोबारार से निभाते हुए नजर आएंगे। बताते चलें कि मिर्जापुर- द फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित किया गया है। वहीं, फिल्म का निर्माण पुनीत कृष्णा ने किया है और गुरमीत सिंह इसका निर्देशन करने वाले हैं।

शादी की खबरों पर मीनाक्षी चौधरी ने चुप्पी तोड़ी

मीनाक्षी चौधरी साउथ की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। वर्तमान में अभिनेत्री के पास कई फिल्में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म मटका रिलीज हुई, जिसमें वे साउथ अभिनेता वरुण तेज के साथ नजर आईं। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन नहीं किया। वहीं, अब अभिनेत्री अपनी अगली फिल्मों की तैयारियों में व्यस्त हो गई हैं। इस बीच अभिनेत्री की शादी की चर्चाओं ने भी तूल पकड़ा। वहीं, अब खुद मीनाक्षी ने अपनी शादी की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है।

नागार्जुन के भतीजे को मीनाक्षी कर रहीं डेट?

दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों में सोशल मीडिया एक अफवाह उड़ी कि नागार्जुन के भतीजे सुशांत मीनाक्षी चौधरी से शादी करने वाले हैं। इस जोड़ी ने फिल्म इचता वाहनमुलु निलुपराधु में काम किया था। यह अफवाह क्यों और कैसे उड़ी, इसका कोई कारण नहीं पता, लेकिन यह वायरल हो गई। दावा किया गया कि वे नागार्जुन के भतीजे सुशांत को डेट कर रही हैं और अब शादी करने वाली हैं।

शादी की खबरों को बताया झूठा

मीनाक्षी चौधरी की इस साल की छठी फिल्म मैकेनिक रॉकी जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री फिल्म के प्रचार में जुटी हुई हैं। हालांकि, कल रात मैकेनिक रॉकी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान मीनाक्षी ने इस बात को साफ कर दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने भी ये अफवाहें सुनी हैं और उनका सख्त रूप से खंडन किया है। साथ ही उन्होंने कुछ फिल्मों का हिस्सा होने की खबरों का भी खंडन किया।

सिंगल हैं अभिनेत्री

मीनाक्षी ने आखिरकार स्पष्ट किया कि वह शादी नहीं कर रही हैं। मीनाक्षी ने कहा, यह एक अफवाह है और मैं शादी नहीं कर रही हूं। मुझे नहीं पता कि ये अफवाहें क्यों उड़ती हैं। एक दिन, मैंने पढ़ा कि मैं सालार का हिस्सा हूं और दूसरे दिन, मैंने पढ़ा कि मैं विश्वंभरा का हिस्सा हूं। अभिनेत्री ने यह भी पुष्टि की कि वह फिलहाल सिंगल हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मैं फिलहाल सिंगल हूं, लेकिन अभी शादी के लिए तैयार नहीं हूं।

मीनाक्षी की आने वाली फिल्में

वहीं, बात करें मीनाक्षी चौधरी की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे विक्ट्री वेंकटेश के साथ संक्रांतिकी वस्तुन्नम के लिए कमर कस रही हैं, जो संक्रांति 2025 के दौरान एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है। उन्होंने नागा चैतन्य के साथ एक प्रोजेक्ट साइन किया है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। मैकेनिक रॉकी इस महीने की 22 तारीख को सिनेमाघरों में आ रही है। श्रद्धा श्रीनाथ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

शाहिद कपूर के साथ मतभेद की अटकलों पर बोले अनीस बज्मी

अनीस बज्मी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भूल भुलैया 3 की सफलता का आनंद ले रहे हैं। हाल में ही कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये बताया जा रहा था कि शाहिद और रश्मिका मंदाना के साथ अनीस बज्मी की कॉमेडी फिल्म अगस्त 2023 में शुरू होने वाली थी, लेकिन रचनात्मक मतभेदों के कारण कपूर के बाहर चले जाने के बाद इसे बंद कर दिया गया।

न किसी से दुश्मनी है न नाराजगी

न्यूज 18 के साथ एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक ने बंद हो चुकी कॉमेडी फिल्म के लिए शाहिद कपूर के साथ फिर से जुड़ने का संकेत दिया है। निर्देशक ने कहा, मेरे दिमाग में अभी भी वह फिल्म है। इस दौरान उन्होंने शाहिद के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्साह व्यक्त किया और उनकी प्रतिभा की प्रशंसा भी की इस दौरान उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके बीच कोई मतभेद या दुश्मनी नहीं है। निर्देशक के इस बात से दोनों को लेकर भविष्य में साथ काम करने की संभावनाएं जाहिर होती हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा, मुझे किसी से न दुश्मनी है न नाराजगी।

स्पष्ट बातें भ्रम से बचाने में मददगार होती हैं

अनीस बज्मी ने विवाद की अफवाहों को संबोधित करते हुए बताया कि फिल्म निर्माण के लिए आपसी समझ और ईमानदारी की आवश्यकता होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपेक्षाओं के बारे में स्पष्ट बातें भ्रम से बचने में काफी मददगार होती हैं। अपनी खुद की कार्यशैली को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि वर्षों के अनुभव के बाद, उनके लिए अपना दृष्टिकोण बदलना अब काफी चुनौतीपूर्ण है।

साथ आएंगे तो, बेहतर फिल्म ही बनाएंगे

अनीस बज्मी ने आगे कहा कि शाहिद का भी उनके जैसा ही काम करने और सोचने का अपना एक अलग तरीका है। उन्होंने कहा कि दोनों के दृष्टिकोण हमेशा मेल नहीं खाते, लेकिन उनका मानना है कि यह बिल्कुल ठीक है। उन्होंने उल्लेख किया कि अगर भविष्य में उनकी संवेदनाएं मेल खाती हैं, तो वे निश्चित रूप से फिर से सहयोग करेंगे। निर्देशक ने दोनों के बीच के रिश्ते को लेकर कहा कि इस स्थिति ने उनके बंधन को प्रभावित नहीं किया है। उन्होंने साझा किया कि शाहिद हमेशा उन्हें प्यार और सम्मान के साथ बधाई देते हैं, और वह अभिनेता को लेकर भी ऐसा ही महसूस करते हैं। भूल भुलैया 3 निर्दशक ने आगे कहा कि जब वे फिर से साथ आएंगे, तो बिनी किसी शंका के एक बेहतरीन फिल्म बनाएंगे।

शाहिद और अनीस बज्मी का वर्क फ्रंट

बात करें, शाहिद कपूर के वर्क फ्रंट की, तो उनकी आगामी फिल्म देवा है, जो प्रसिद्ध मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित एक एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। ये फिल्म 14 फरवरी, 2025 को वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी और कुब्रा सैत भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा शाहिद कपूर अश्वत्थामा- द सागा कंटीन्यूजमें काम करने वाले हैं। वहीं, बात करें अनीस बज्मी की, तो कहा जा रहा है कि वो नो एंट्री के सीक्वल की तैयारियां कर रहे हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

महायुति की जीत पर बोले शिंदे हमें काम का इनाम मिला

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन जबरदस्त बहुमत हासिल करता हुआ दिखाई दे रहा है। अब तक के रुझानों के मुताबिक महायुति गठबधन 220 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रहा है। इन सबके बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का भी बड़ा बयान आया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह लैंडस्लाइड विक्ट्री है। उन्होंने कहा कि महायुति को महाराष्ट्र की जनता ने बहुमत दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने जो काम किया है, उसका यह फल है। साथ ही साथ उन्होंने महिलाओं का भी आभार जताया। एकनाथ शिंदे ने इस विजय के लिए आम लोगों और अपने कार्यकर्तों को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री के सवाल को लेकर एकनाथ शिंदे ने कहा कि जिस तरीके से हमारे गठबंधन के दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा, उसी तरह हम लोग मिल बैठकर मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को भी तय करेंगे। मुख्यमंत्री को लेकर हमारे गठबंधन के भीतर कोई मतभेद नहीं है।

संजय राउत ने महाराष्ट्र के नतीजों पर उठाए सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के शुरुआती रुझानों में भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन को बंपर बहुमत मिला है। गठबंधन ने 200 सीटों के आंकड़े को पार कर लिया। वहीं महा विकास अघाड़ी 68 सीटों पर ही सिमट गया है। शुरुआती रुझानों के बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महायुति गठबंधन पर निशाना साधा। शिवसेना(यूबीटी) नेता ने शिंदे गुट की शिवसेना की जीत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि एकनाथ शिंदे के सभी विधायक कैसे जीत सकते हैं? लोग गद्दारों को कैसे जिता सकते हैं? हाल ही में अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर भी प्रतिकिया दी। उन्होंने महायुति की जीत के पीछे अदाणी विवाद का हाथ बताया। संजय राउत ने इस नतीजे को मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह महाराष्ट्र की जनता का फैसला नहीं हो सकता। हम जानते हैं कि महाराष्ट्र की जनता क्या चाहती है। ऐसा परिणाम लागू नहीं किया जा सकता है।

महाराष्ट्र में महायुति की जीत से चंद्रबाबू नायडू खुश

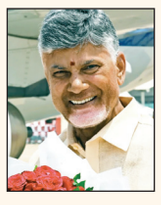

अमरावती। भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन महाराष्ट्र में निर्णायक जीत के कगार पर है। भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन 220 से अधिक सीटों पर आगे है। यह सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक ऐतिहासिक प्रदर्शन का प्रतीक है, जिसने अपने शासन रिकॉर्ड और स्थिरता के वादों पर अभियान चलाया। इसको लेकर भाजपा में जबरदस्त खुशी की लहर है। इसी कड़ी में भाजपा के सहयोगी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने ट्वीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र में ऐतिहासिक जनादेश हासिल करने पर महायुति गठबंधन को बधाई। यह जीत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों के निरंतर विश्वास को दर्शाती है, जिनकी रणनीतिक दृष्टि, परिवर्तनकारी नीतियां और लोगों के प्रति समर्पण एक विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

पार्टियां तो दो-दो टूटीं, फिर भी सबसे ज्यादा नुकसान में कांग्रेस

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा बनाम कांग्रेस के साथ-साथ शिवसेना बनाम शिवसेना और एनसीपी बनाम एनसीपी के बीच मुकाबला था। अगर शिवसेना और एनसीपी के जनाधार की बात करें तो कहा जा सकता है कि अगर शिवसेना एकजुट रहती तो फायदे में रहती। पिछली बार शिवसेना को 56 सीटें मिली थीं। इस बार शिवसेना के दोनों धड़ों को मिला दें तो सीटों की संख्या 70 के पार हो जाती है। दोनों ही धड़ों को मिले मत प्रतिशत को देखें तो भी इन्हें करीब 23% वोट मिले हैं, जो पिछली बार के 16% वोटों से ज्यादा है। उधर, एनसीपी के दोनों धड़ों की सीटें मिला दें तो कहा जा सकता है कि इस बार अगर पार्टी एकजुट रहती तो उसे 50 सीटें मिल सकती थीं, जबकि पिछली बार पार्टी को 54 सीटें मिली थीं। एनसीपी के दोनों धड़ों को मिले कुल वोट भी करीब 22% हैं, जो पिछली बार के 16% वोटों से ज्यादा है। कांग्रेस को इस बार काफी नुकसान हुआ है। उसे पिछली बार 16.1% वोट मिले थे, जबकि इस बार वह 10.95% वोट ही हासिल करती दिख रही है। पिछली बार उसे 44 सीटें मिली थीं, जबकि इस बार 21 के आंकड़े के आसपास है।

महायुति के ऐतिहासिक जीत पर अजित पवार का ट्वीट

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य ने विधानसभा चुनाव में पिंक चुना है। पवार ने बारामती विधानसभा क्षेत्र में अपने भतीजे और राकांपा (सपा) उम्मीदवार युगेंद्र पवार को हराया। बारामती में 20 राउंड की गिनती हुई। सभी की निगाहें राकांपा (सपा) अध्यक्ष शरद पवार के गढ़ बारामती पर थीं, क्योंकि यह हाई-प्रोफाइल मुकाबला परिवार के भीतर है। इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव में एनसीपी (सपा) नेता सुप्रिया सुले ने अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा को 1.5 लाख से अधिक वोटों से हराया था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को जारी मतगणना के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन 288 विधानसभा सीट में से 217 सीट पर बढ़त के साथ राज्य में सत्ता बरकरार रखने की ओर अग्रसर है। निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद पर फंसेगा पेंच दोबारा एकनाथ या अबकी बार देवेंद्र?

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के रुझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को बंपर बहुमत मिलता दिख रहा है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनने की राह पर है और चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पार्टी 126 सीटों पर आगे चल रही है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जनता ने एक बार फिर भाजपा के नेतृत्व पर विश्वास किया है। महायुति गठबंधन के लिए जहां रुझान खुश करने वाले हैं, लेकिन साथ ही महायुति गठबंधन में सीएम पद को लेकर भी पेच फंस गया है। दरअसल एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन सबसे बड़ी पार्टी भाजपा है। इससे साफ है कि सीएम पद को लेकर महायुति में खूब माथापच्ची होगी।

भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने एक बयान में कह भी दिया है कि सबसे बड़ी हमारी पार्टी है तो सीएम भी भाजपा का ही होगा। भाजपा नेता ने कहा कि %भाजपा का सीएम बनेगा तो वो देवेंद्र फडणवीस ही होंगे। केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार होगी तो महाराष्ट्र और विकास करेगा इसलिए जनता ने हमें बहुमत दिया है इसके लिए मैं प्रदेश की लाड़ली बहनों और जनता को विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं। बीजेपी से ही मुख्यमंत्री होगा, मुझे लगता है कि देवेन्द्र फडणवीस ही सीएम होंगे। गौरतलब है कि देवेंद्र फडणवीस ने साल 2014 से 2019 के दौरान भाजपा-शिवसेना (संयुक्त) की गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया था। 2019 के चुनाव में भी भाजपा शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी और उस समय भी फडणवीस ही सीएम पद के दावेदार थे, लेकिन शिवसेना (संयुक्त) के साथ मतभेदों के चलते भाजपा सरकार नहीं बना सकी और राज्य में महा विकास अघाड़ी की सरकार सत्ता पर काबिज हुई। जब एकनाथ शिंदे की बगावत के चलते महा विकास अघाड़ी की सरकार गिरी और भाजपा के नेतृत्व में नई सरकार बनी तो उसमें भी फडणवीस के ही सीएम बनने की उम्मीद थी, लेकिन बड़ी पार्टी होते हुए भी भाजपा ने एकनाथ शिंदे को सीएम बनाया।

हालिया विधानसभा चुनाव के एलान के बाद से ही इस बात की खूब चर्चा हो रही थी कि अगर महायुति की सरकार बनी तो सीएम पद कौन संभालेगा, क्योंकि देवेंद्र फडणवीस के साथ ही अब एकनाथ शिंदे भी सीएम पद के मजबूत दावेदार हैं। खासकर उनके नेतृत्व में महायुति की सरकार जिस तरह से सत्ता में वापसी करती दिख रही है, उससे भी एकनाथ शिंदे का दावा काफी मजबूत हो गया है। वहीं एनसीपी के अजित पवार भी सीएम पद की रेस में हैं और गाहे-बगाहे वो सीएम बनने की इच्छा सार्वजनिक तौर पर भी जता चुके हैं। अब अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने भी अजित पवार के सीएम बनने की मांग की है। हालांकि सीटों की संख्या को देखते हुए मुख्य मुकाबला एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के बीच ही माना जा रहा है।

भाजपा के लिए महाराष्ट्र जीत बेहद अहम है क्योंकि आम चुनाव में जिस तरह से भाजपा नीत एनडीए को देश के सबसे धनी राज्यों में से एक महाराष्ट्र में बड़ा झटका लगा था, उसके बाद विधानसभा चुनाव का यह प्रदर्शन भाजपा के लिए संजीवनी साबित हो सकता है। आम चुनाव के दौरान भाजपा का हिंदुत्व का एजेंडा महाराष्ट्र में कमजोर दिखाई दिया था और लड़ाई पार्टियों की टूट पर आधारित रही, जिसका फायदा शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की एनसीपी को मिला। राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से भाजपा सिर्फ 9 पर जीत दर्ज कर सकी। वहीं महा विकास अघाड़ी ने 30 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की।

अब विधानसभा चुनाव में भी महा विकास अघाड़ी गठबंधन द्वारा प्रचंड जीत का दावा किया जा रहा था और राज्य में भाजपा का राजनीतिक भविष्य सवालों के घेरे में था, लेकिन भाजपा ने जिस तरह से वापसी की है, उससे राज्य की राजनीति पर उसकी पकड़ फिर से मजबूत हो गई है। साथ ही यह नतीजे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के लिहाज से भी अहम हैं और इनसे पता चलता है कि भले ही विपक्ष पीएम आम चुनाव के बाद पीएम मोदी का जादू खत्म होने का दावा कर रहा है, लेकिन नतीजों से साफ है कि अभी भी प्रधानमंत्री मोदी का जलवा बरकरार है।

महाराष्ट्र के परिणामों के बीच वायरल हुआ फडणवीस का पुराना वीडियो

उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का एक पुराना वीडियो चर्चा में आ गया है। इस वीडियो में फडणवीस एक शेर पढ़ रहे हैं, मेरा पानी उतरता देख मेरे किनारे पर घर मत बसा लेना, मैं समंदर हूं लौटकर वापस आऊंगा! बताया जा रहा है कि जब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार बनी थी, तब फडणवीस ने यह शेर विधानसभा में पढ़ा था। गौरतलब है कि महाराष्ट्र की सियासत में पिछले पांच दशक में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस को छोड़कर कोई भी मुख्यमंत्री अपने पांच साल का कार्यकाल नहीं पूरा कर सका है। उद्धव ठाकरे के ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने के साथ ही सूबे में सियासी संकट के बादल मंजराने लगे हैं।

किसी व्यक्ति का पांच साल सीएम पद पर रहने के बाद फिर मैंडेट मिलने के बावजूद उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करना।ये पार्टी की अनुशासन को भी दर्शाता है। पूरे चुनाव को जरूर बीजेपी ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। लेकिन पूरे कैंपेन के सूत्रधार देवेंद्र फडणवीस ही रहे।

कांग्रेस का लगातार गिरता ग्राफ महाराष्ट्र से साफ, झारखंड में हाफ

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में कभी केवल और केवल कांग्रेस का ही सिक्का बुलंद हुआ करता था। चाहे वो राज्य के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण हो या अपनी पार्टी बनाने से पहले तक शरद पवार सीएम के चेहरे बदलते रहे लेकिन कांग्रेस का ही परचम लहराता रहा। लेकिन कांग्रेस के इस अमेद्द किले में बीजेपी-सेना गठबंधन ने 1995 में सेंध लगाई कि फिर उससे कांग्रेस कुछ सालों बाद तो उभर आई। लेकिन पहले जैसी वो बात नहीं रही। कांग्रेस के लिए शनिवार का दिन ऊहापोह वाली स्थिति लेकर आया। लोकसभा चुनावों में अपने सीटों के आंकड़े को 99 तक पहुंचाने वाली देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी एक महीने पहले हरियाणा में हार के बाद अब महाराष्ट्र और झारखंड के रुझान बताते हैं कि एक बार फिर उसके लिए राह मुफीद नहीं रही है। अभी तक के रुझानों से पता चलता है कि कांग्रेस को महाराष्ट्र में हार का सामना करना पड़ सकता है वह दोपहर 12 बजे 19 सीटों पर आगे थी। वहीं एक और राज्य् झारखंड में कमजोर कड़ी के रूप में उभर रही है। एकमात्र राहत की बात यह है कि झारखंड में अपने सहयोगी झामुमो के हैविवेट प्रदर्शन के साथ, इंडिया ब्लॉक बहुमत के आंकड़े को पार करता नजर आ रहा है। अगर रुझान सही रहे तो यह कांग्रेस के लिए बुरी, बल्कि भयानक खबर है। विशेष रूप से महाराष्ट्र में जहां कांग्रेस ने अपने दम पर और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने मिलकर लोकसभा चुनावों में भाजपा और महायुति को मात दी थी।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 17 पर चुनाव लड़ा था और 13 सीटें जीतने में कामयाब रही। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस ने महाराष्ट्र में सिर्फ एक सीट हासिल की थी, लेकिन इस साल 13 सीटें जीत लीं। इससे न सिर्फ कांग्रेस का आत्मविश्वास बढ़ा बल्कि उसकी अपने सहयोगियों के साथ बार्गेनिंग पॉवर भी बढ़ी। कई लोगों ने तर्क दिया था कि यह प्रदर्शन कांग्रेस और एमवीए के आक्रामक अभियान के बाद आया था कि केंद्र में 400 से अधिक बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखने वाली भाजपा संविधान को बदल सकती है और आरक्षण वास्तुकला को कमजोर कर सकती है। इसके साथ ही जाति जनगणना की जोरदार वकालत और 50% आरक्षण की सीमा को तोड़ने की मांग भी शामिल थी।

कांग्रेस फिर से उन्हीं नारों और विषयों के साथ महाराष्ट्र में प्रचार में उतरी। घबराए पार्टी नेताओं ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव ने शायद लोगों को अपना गुस्सा जाहिर करने का मौका दे दिया है और वे एनडीए में वापस जाने के लिए तैयार हैं। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से कहा कि बीजेपी ने भारी मात्रा में पैसा खर्च किया। हम किसी भी क्षण यह अनुमान नहीं लगा सके कि यह एक लहर वाला चुनाव होने जा रहा है, हमने इसकी कभी कल्पना भी नहीं की थी। नि:संदेह, इसके कई कारण हो सकते हैं। हमारी सीट का तालमेल सही नहीं था। गठबंधन में सभी नेता मुख्यमंत्री पद के लिए प्रयासरत थे। लेकिन ऐसा लगता है कि लड़की बहन योजना का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है।

बड़ी उम्मीद विदर्भ क्षेत्र से थी, जो 62 विधानसभा सीटों और 10 लोकसभा क्षेत्रों वाला कपास क्षेत्र है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी। कांग्रेस ने पांच सीटें जीती थीं और उसके सहयोगी राकांपा और शिवसेना (यूबीटी) ने एक-एक सीट जीती थी। इस क्षेत्र में कांग्रेस परंपरागत रूप से मजबूत रही है, लेकिन भाजपा ने पिछले दो दशकों में बड़ी बढ़त बना ली है। 2014 में बीजेपी ने विदर्भ में 62 में से 44 सीटें जीतकर परचम लहराया था। 2019 में इसकी संख्या गिरकर 29 सीटों पर आ गई, जिससे इसकी कुल सीटें कम हो गईं। कांग्रेस को विदर्भ में पुनरुत्थान का भरोसा था और उसने लोकसभा नतीजों को पहला कदम माना। लेकिन शनिवार के रुझानों ने इसे झूठला दिया है।

खेल
प्रमुख समाचार

दूसरे दिन भारत ने ली 218 रनों की बढ़त

पर्थ। पर्थ टेस्ट का दूसरा दिन भारत के नाम रहा। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 172 रन बना लिए हैं। फिलहाल केएल राहुल 62 रन और यशस्वी जायसवाल 90 रन बनाकर क्रीज पर हैं। टीम इंडिया की कुल बढ़त अब तक 218 रन की हो चुकी है। भारत ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर समाप्त हुई थी। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। यशस्वी ने अब तक 193 गेंद का सामना किया और अब तक सात चौके और दो छक्के लगाए हैं। वहीं, राहुल ने अब तक 153 गेंद का सामना किया है और चार चौके लगाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई। दूसरे दिन कंगारुओं ने सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया और 37 रन बनाने में बाकी तीन विकेट गंवाए। ऑस्ट्रेलिया को शनिवार का पहला झटका एलेक्स कैरी के रूप में लगा। उन्हें बुमराह ने विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। कैरी 21 रन बना सके। इसके बाद नाथन लियोन हर्षित राणा का शिकार हुए। वह पांच रन बना सके। ये दोनों विकेट भारत ने शुरुआती एक घंटे के अंदर ले लिए थे। हालांकि, स्टार्क और जोश हेजलवुड की आखिरी जोड़ी को आउट करने में टीम इंडिया को एक घंटे लगे। स्टार्क और हेजलवुड ने 10वें विकेट के लिए 110 गेंद में 25 रन की साझेदारी की। स्टार्क ने 112 गेंद में दो चौके की मदद से 26 रन बनाए। उन्हें हर्षित ने ही शिकार बनाया। हेजलवुड सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। तीसरे ही ओवर में बुमराह ने नाथन मैकस्वीनी को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 10 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को कोहली के हाथों कैच कराया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेबी ने अडानी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच शुरू की

नईदिल्ली। भारत में शेयर बाजार के नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इस मामले में जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, सेबी अडानी समूह द्वारा भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों को झूठे बयान देने और अमेरिकी जांच के बारे में जानकारी का खुलासा न करने की बात की जांच कर रहा है। सेबी ने अडानी ग्रीन एनर्जी के कम्यूनिकेशन को लेकर भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों से जानकारी मांगी है। इस जानकारी के आधार पर औपचारिक जांच की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अमेरिकी अधिकारियों ने अडानी समूह पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिकी भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के उल्लंघन की जांच के बारे में गलत बयान दिए हैं। अडानी समूह ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि वह कानूनी उपायों पर विचार कर रहा है।

टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम

नईदिल्ली। सरकार ने साइबर सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत केंद्र सरकार अपनी किसी एजेंसी के माध्यम से टेलीकॉम कंपनियों से ट्रैफिक डेटा या अन्य डेटा की मांग कर सकती है। यह डेटा संदेशों के कंटेंट के अलावा अन्य किसी फॉर्मेट में हो सकता है और इसे स्टोर और प्रोसेस करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे की स्थापना की जा सकती है। नए नियमों के अनुसार, जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा। इसके लिए टेलीकॉम कंपनियों को एक साइबर पॉलिसी अपनानी होगी, जिसमें सिक्योरिटी से संबंधित रिस्क मैनेजमेंट, नेटवर्क टेस्टिंग, ट्रेनिंग और रिस्क असेसमेंट जैसी प्रक्रियाएं शामिल होंगी।

एलन मस्क की संपत्ति 334.3 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। फोर्ब्स के अनुसार एलन मस्क आधिकारिक तौर पर 334.3 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ इतिहास के सबसे धनी व्यक्ति बन गए हैं। यह इजाफा टेस्ला टेस्ला के शेयरों में तेजी के बाद आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद एलन मस्क की कंपनी के शेयरों में उछाल दिखा है। चुनाव परिणामों के बाद टेस्ला के शेयरों में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 3.8 प्रतिशत चढ़कर यह 352.56 डॉलर पर बंद हुआ, यह पिछले 3 वर्षों में इसका उच्चतम मूल्य है। इससे मस्क की संपत्ति में 7 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी कुल संपत्ति 320.3 बिलियन डॉलर के पिछले उच्च स्तर से आगे निकल गई। एलन मस्क के ट्रंप के साथ घनिष्ठ संबंधों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। इस साल की शुरुआत में ट्रंप का समर्थन करने के बाद, मस्क ने उनके अभियान के लिए 100 मिलियन डॉलर से अधिक का दान दिया।

नवंबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां 3 माह के शीर्ष पर

नई दिल्ली। सेवा उद्योग में सुधार और रिकॉर्ड रोजगार पैदा होने से नवंबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां तीन माह के शीर्ष पर पहुंच गई। हालांकि, उत्पादन महंगाई 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के अनुसार, चालू त्योहारी तिमाही में आर्थिक विकास में आगे भी वृद्धि होने की संभावना है। इसमें निजी खपत में उछाल के कारण तेजी आने की उम्मीद है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, एचएसबीसी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्तूबर में 59.1 रहा। नवंबर में बढ़कर 59.2 रहा। पीएमआई में 50 से नीचे का स्तर कारोबार में कमजोरी दर्शाता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवाओं में वृद्धि व विनिर्माण में मामूली मंदी के बावजूद कारोबारी गतिविधियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। सेवा क्षेत्र का पीएमआई बढ़कर नवंबर में 59.2 हो गया।

गैर बैंकिंग कंपनियों का वित्तीय निवेश

आर. कविता राव

आय कर रिटर्न में नजर आने वाला समग्र कॉर्पोरेट डेटा दिखाता है कि अर्थव्यवस्था के इस वर्ग की आय की संरचना में एक व्यवस्थित बदलाव आया है। अब इसमें कारोबारी आय कम हो रही है जबकि अन्य परोक्ष आय मसलन पूंजीगत लाभ और अन्य प्रकार की आय बढ़ रही है। इस रुझान को थोड़ा और समझने के लिए इस स्तंभ में बीएसई 500 कंपनियों के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है ताकि नजर आ रहे रुझानों का परीक्षण किया जा सके।

यह सही है कि ये कंपनियां देश में औसत उद्यमिता का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं लेकिन कारोबारी भारत के मूल्यवर्धन में उनकी अहम हिस्सेदारी है और इसलिए संभव है कि वे इस रुझान की वाहक बनी रहें। इस समस्या को दो तरह से देखा जा सकता है- पहला, क्या घोषित आय की संरचना में बदलाव आया है? और दूसरा, क्या परिसंपत्तियों की बनावट में बदलाव आया है? इस आलेख में सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी के प्रॉवेस डेटाबेस का इस्तेमाल करके निहित रुझानों को समझने के लिए परिसंपत्तियों की बनावट पर नजर डाली गई है। चूंकि वित्तीय और गैर वित्तीय कंपनियों के मामले में कारोबारी गतिविधियों की प्रकृति अलग-अलग होती है इसलिए इन्हें कंपनियों की दो श्रेणियों में प्रस्तुत किया गया है।

भौतिक निवेश को विशुद्ध अचल परिसंपत्तियों, प्रगतिशील पूंजी निर्माण और अमूर्त संपत्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है जबकि वित्तीय निवेश को दीर्घकालिक निवेश तथा दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम के रूप में परिभाषित किया गया है। 500 कंपनियों में से 408 गैर वित्तीय कंपनियां हैं

जबकि शेष वित्तीय क्षेत्र से ताल्लुक रखती हैं। यहां हितों के प्रश्न को देखते हुए ध्यान गैर वित्तीय कंपनियों पर केंद्रित है। बीएसई 500 कंपनियों की शुद्ध अचल परिसंपत्तियों में इनकी हिस्सेदारी 94-95 फीसदी है। गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए अचल परिसंपत्ति की हिस्सेदारी समान अवधि में 66 फीसदी से कम होकर 59 फीसदी रह गई। अचल परिसंपत्ति में व्यवस्थित गिरावट बताती है कि इन कंपनियों की वित्तीय परिसंपत्तियों में इजाफा देखने को मिला। इस सूचना को देखने का एक और तरीका है कि विशुद्ध अचल परिसंपत्ति और वित्तीय परिसंपत्तियों के अनुपात पर नजर डाली जाए। समान अवधि में यह अनुपातन 1.95 से घटकर 1.45 रह गया है। इसके अलावा शुद्ध अचल परिसंपत्ति में प्रगतिशील पूंजीगत कार्यों और अमूर्त पूंजी निर्माण की हिस्सेदारी 24 फीसदी से घटकर 14 फीसदी रह गई। यह भी दिखाता है कि इन कंपनियों में पूंजी निर्माण पर कम ध्यान दिया जा रहा है। कंपनियों की संख्या के आधार पर देखें तो 2014 और 2023 के बीच बीएसई 500 कंपनियों की तुलना की जाए तो 82 कंपनियां वित्तीय कंपनियां हैं जबकि 408 कंपनियां गैर वित्तीय कंपनियां हैं। गैर वित्तीय कंपनियों की बात करें तो पूरी अवधि के लिए 384 कंपनियों के आंकड़े उपलब्ध हैं, 248 कंपनियों ने कहा है कि उनकी वित्तीय परिसंपत्तियों में इजाफा हुआ है। मार्च 2024 तक शुद्ध अचल परिसंपत्तियों में उसकी हिस्सेदारी 62 फीसदी थी।

इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि यही वह अवधि है जब आय कर के आंकड़ों में परोक्ष आय में सीधा इजाफा हुआ। परोक्ष आय में इजाफे के पीछे कई वजह हो सकती हैं। अर्थव्यवस्था के ढांचे में बदलाव और कॉर्पोरेट सेक्टर का उन क्षेत्रों पर भरोसा करना भी एक वजह हो सकता है जो ठोस संपत्तियों पर कम भरोसा करते हैं। वित्तीय और गैर वित्तीय कंपनियों की व्यापक श्रेणियों की बात करें तो उनकी संरचना में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है।

उदाहरण के लिए बीएसई 500 कंपनियों की विशुद्ध तयशुदा परिसंपत्तियों में वित्तीय कंपनियों की हिस्सेदारी 4-5 फीसदी के बीच है। इसके अलावा क्षेत्रीय स्तर पर इनकी संरचना की विवेचना भी कुछ प्रकाश डाल सकती है। दूसरा कारक हो सकता है कारोबार का पुनर्गठन करना। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता यानी आईबीसी के आगमन के बाद नकदीकरण के चलते परिसंपत्तियों में कमी करने में मदद मिल सकती है।

दक्षिण उपचुनाव की प्रचंड जीत राज्य सरकार के कार्यों पर जनता की मुहर: मुख्यमंत्री

कांग्रेस को जितने मत नहीं मिले उससे ज्यादा मतों से भाजपा की विजय, कांग्रेस की दुर्गति का प्रमाण: साय

रायपुर। रायपुर दक्षिण का चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी की नीतियों की जीत है। इसके लिए मैं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। हमारी भाजपा सरकार के सुशासन पर जनता की मुहर है। हमने प्रदेश में लोकतंत्र के प्रति जनता के भरोसे को बहाल किया है। मोदी जी की गारंटी को सरकार ने महज कुछ महीनों में पूरा करने का काम किया है। यह उसका जनादेश है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मैं इस जीत के लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं, चुनाव के प्रभारी श्री श्यामबिहारी जायसवाल, श्री शिवरतन शर्मा, भाजपा के सभी मंत्रीगण विधायकगण, पदाधिकारियों एवं पिछले कई दशकों से दक्षिण विधानसभा की सेवा कर रहे सांसद बृजमोहन अग्रवाल को बधाई देता हूं। हमारे प्रत्याशी सुनील सोनी को भी इस प्रचंड जीत की बहुत-बहुत बधाई।

भारतीय जनता पार्टी रायपुर दक्षिण के मतदाताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है मैं उनका बहुत-बहुत आभार करते हुए इस बात का विश्वास दिलाता हूं कि जो विश्वास जनता ने किया है हम उस पर खरा उतरेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भाजपा की सरकार ने महज कुछ महीनों के कार्यकाल में ही मोदी जी की गई गारंटियों को पूरा करने का काम किया है। किसानों को एकमुश्त 3100 रुपए प्रति क्विंटल देने की गारंटी हो या किसानों के बकाया दो वर्ष के धान का बोनस के भुगतान की बात हो, महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं के प्रतिमाह 1000 रुपए देने की गारंटी हो या नक्सलवाद के खात्मे की गारंटी हो, राज्य की भाजपा सरकार ने सभी गारंटियों को पूरा करने के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किए है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जीत के लिए मैं अ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार प्रकट करता हूं। जिनका जादू पूरे देश में चल रहा है।

हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय

जनता के विश्वास की जीत, रायपुर दक्षिण में भाजपा का परचम: बृजमोहन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर दक्षिण विधानसभा से 46,167 मतों के भारी अंतर से प्रचंड विजय प्राप्त करने पर सुनील सोनी को हार्दिक बधाई दी है। अग्रवाल ने इस ऐतिहासिक विजय को रायपुर दक्षिण की जनता के भाजपा की विचारधारा, विकास और जनसेवा में अटूट विश्वास का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, यह जीत रायपुर दक्षिण की जनता की आकांक्षाओं और सपनों की जीत है। जनता ने लगातार 9वीं बार कमल को खिलाकर यह साबित कर दिया है कि उनका भरोसा केवल भाजपा की नीति, नीयत और नेतृत्व पर है।

उन्होंने कहा कि रायपुर दक्षिण हमेशा से उनका घर रहा है और वहां की जनता उनके दिल में बसती है। अग्रवाल ने 35 वर्षों के विश्वास को बनाए रखने के लिए और एक बार पुन: भाजपा को जिताने के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा, आज मैं जो कुछ भी हूं, वह जनता जनार्दन के आशीर्वाद से हूं। जब तक जीवन है, तब तक मैं जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहूंगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह विजय केवल मतों की नहीं, बल्कि जनता और भाजपा के बीच के उस गहरे रिश्ते की जीत है, जो सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के सिद्धांतों पर आधारित है। रायपुर दक्षिण ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि वह विकास और सुशासन की राह पर भाजपा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस जीत के बाद अब क्षेत्र की जनता को दो विधायक मिल गए हैं आधिकारिक रूप में सुनील सोनी और दूसरे वो स्वयं, दोनों मिलकर रायपुर दक्षिण को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगे। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई दिशा देंगे और हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लायेंगे। अग्रवाल ने सुनील सोनी को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह विजय जनता के साथ उनके स्नेह, संवाद और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सोनी अपने कार्यकाल में जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे और क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उन्होंने भाजपा की इस जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि, पार्टी के कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ताओं के बिना इस जीत की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। आज की इस जीत को पार्टी कार्यकर्ताओं को समर्पित करते हैं।

जनता जनार्दन का साय सरकार पर अटूट विश्वास का मुहर : कौशिक

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने रायपुर दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव पर भारतीय जनता पार्टी की जीत पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को जीत कि बधाई दी साथ ही महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पर जनता के विश्वास एवं महायुति सरकार की नीतियों की जीत है। प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से अनेक राज्यों में कमल खिल रहा है यह जनता का भाजपा पर अटूट विश्वास है। ये जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा-सुशासन एवं जनकल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सुफल है।

कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सुशासन और विकास को अपना मत देने वाले क्षेत्र के सम्मानित मतदाताओं का आभार जिन्होंने रायपुर दक्षिण विधानसभा में 9 वीं बार भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को 40 हजार से अधिक मतों से जीता कर रायपुर दक्षिण विधानसभा के 40 साल के रिकॉर्ड को कायम रखा। श्री कौशिक ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा की जीत सीएम विष्णुदेव साय जी एवं भाजपा पर जनता जनार्दन के अटूट विश्वास कि मुहर है। जनता ने एक बार पुन: साबित कर दिया है कि भाजपा है तो विकास है, भाजपा है तो विश्वास है। श्री कौशिक ने कहा कि कांग्रेस ने अनेकों छल-प्रपंच किए किन्तु जनता का भाजपा पर विश्वास को तोड़ ना सकी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भ्रम फैलाने का कार्य किया. लेकिन जनता ने उनके एजेंडे को नकार दिया। उन्होंने कहा कि हम अंतिम छोर तक मौजूद व्यक्ति तक विकास कार्य पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इसे जनता भली भांति समझ रही है।

छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकारा:किरण देव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि रायपुर दक्षिण की जनता ने एक बार फिर बता दिया कि प्रदेश और शहर का विकास केवल भाजपा की सरकार ही कर सकती है। भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी को प्रचंड जीत की बधाई देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए हर तरह की कोशिश की लेकिन रायपुर दक्षिण की जनता ने मोदी जी की विश्वसनीयता और प्रदेश सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर एक बार फिर कमल पर मुहर लगाया। प्रदेश के विकास लिए भाजपा हमेशा प्रतिबद्ध रहती है।

यह जीत जनता के भाजपा पर विश्वास की जीत है और कांग्रेस के झूठे वादों पर जनता का करारा तमाचा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने रायपुर दक्षिण उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए भाजपा समस्त भाजपा कार्यकर्ता, रायपुर दक्षिण उप चुनाव संयोजक द्वय मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सभी मंत्रीगण, विधायकगण सहित सभी भाजपा पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं को बधाई दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि यह जीत मा .मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में चल रही भाजपा सरकार के कार्यों की जीत है छत्तीसगढ़ प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को फिर से एक बार पूरी तरह नकार दिया है छत्तीसगढ़ में अब भाजपा ही जनता की पसंद है जनता ने न सिर्फ जीत दी है बल्कि एक प्रचंड जीत देकर भाजपा के प्रति अपना अपार विश्वास व्यक्त किया है मैं जनता जनार्दन का बहुत-बहुत अभिवादन करता हूं।

जनता ने बताया विष्णु का सुशासन ही उनकी पहली पसंद: जायसवाल

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के प्रभारी श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि रायपुर दक्षिण में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत और लगातार नौवीं बार वापसी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व,विष्णुदेव साय सरकार के कार्यों और भाजपा के प्रति जनता-जनार्दन के अगाध विश्वास का परिचायक बताया है। श्री जायसवाल ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने सोचा, शायद इस बार कुछ नई शिगूफे बाजी की जाए और उन्होंने जाति व धर्म के आधार पर समाज को बाँटने का शिगूफा उछाला था, लेकिन कांग्रेसी-बदनीयती नहीं चल पाई। श्री जायसवाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था के नाम पर मिथ्या प्रलाप कर प्रदेशभर में घूम रहे कांग्रेसियों का अब आपराधिक चेहरा लगातार बेनकाब हो रहा है। कांग्रेस अपराधियों को संरक्षण देकर प्रदेश में अराजकता की स्थिति पैदा करने का एजेंडा चला रही है, लेकिन कांग्रेसी अपने इस घृणित में मंसूबे कतई कामयाब नहीं हुए, रायपुर दक्षिण के चुनाव परिणाम ने यह एकदम साफ कर दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि दक्षिण विधानसभा के उपचुनाव में यह प्रचंड जीत हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत के बलबूते मिली है वह सभी कार्यकर्ताओं, मंडल के अध्यक्षों, बूथ के अध्यक्षों, चुनाव के कार्यों में लगे हुए सभी पदाधिकारीगण का आभार व्यक्त करते हैं व उन्हें बधाई देते है। यह जीत इस बात की पुष्टि करती है कि कांग्रेस अब छत्तीसगढ़ में जनता के लिए अप्रासंगिक हो चुकी है पहले विधानसभा चुनाव में करारी हार, फिर लोकसभा चुनाव में एक बड़ी हार और अब उपचुनाव में भी कांग्रेस की प्रचंड हार हुई है कांग्रेस ने जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ को दोनों हाथों से लुटा,छत्तीसगढ़ को अपराध गढ़ बनाने का काम किया भ्रष्टाचार के कीर्तमान रचे, प्रदेश की जनता ने उन्हें पूरी तरीके से उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

झारखंड, कर्नाटका में इंडिया गठबंधन की जीत पर बधाई

रायपुर। आज आये चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि झारखंड, कर्नाटका, राजस्थान और मध्यप्रदेश की एक सीट पर कांग्रेस इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विजयी हुये है। महाराष्ट्र का चुनाव परिणाम अप्रत्याशित है। वायनाड से अभूतपूर्व विजय हासिल करने के लिये कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को बधाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की जनादेश शिरोधार्य है, उपचुनाव के परिणाम पार्टी के अपेक्षाओं के अनुरूप नही आये, पूरी पार्टी, नेताओं और कार्यकताओं ने एकजुटता से चुनाव को लड़ा। उपचुनाव का रिजल्ट आमतौर पर सत्ता दल के पक्ष में आता है। जब कांग्रेस की सरकार थी तो कांग्रेस पार्टी ने 5 उपचुनाव जीते थे। जो जनादेश आया है उसे कांग्रेस पार्टी स्वीकार करती है। जनता के हित और सरोकार के लिये हमारी लड़ाई जारी रहेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक उपचुनाव के परिणाम से जनता के सभी सवालों का जवाब नही मिल जाता, और न ही राज्य के हालात में परिवर्तन हो जाता है।

भूपेश सरकार ने अडानी से कोई अनुबंध नहीं किया

रायपुर। मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा झूठ बोल रहे कि 2021 में छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने अडानी से कोई समझौता किया था। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह झूठा दावा है, भूपेश सरकार ने अडानी से कोई समझौता नहीं किया था। बड़ा ही हास्यास्पद है कि पंकज झा अपने ही द्वारा जारी किये गये दस्तावेजों को पूरा नहीं समझ पाये या जानबूझकर उन्होंने झूठ बोला। पंकज झा ने अपने एक्स पर जो दस्तावेज जारी किये है उसी से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 12 अगस्त 2021 में सेकी याने सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (भारतीय सौर ऊर्जा निगम) के साथ समझौता किया था। जिसमें सेकी की तरफ से उसके वरिष्ठ प्रबंधक शिवाशीष दास एवं बतौर गवाह सेबी के उप प्रबंधक तरूण मुखीजा ने हस्ताक्षर किया था तथा छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से सीएसपीडीसीएल (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी) के इज्यूक्यूटिव डायरेक्टर एचपी मंगीपुडी एवं एडीशन चीफ इंजीनियर तथा अजय कुमार सिंह सुपरिटेंडेट इंजीनियर ने हस्ताक्षर किया था इस अनुबंध में अडानी न पार्टी था और न ही अडानी समूह के किसी प्रतिनिधि ने हस्ताक्षर किया था। अत: मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार झूठ बोल कर राज्य में भ्रम फैलाने में लगे है।

द.उपचुनाव का नतीजा हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नही

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की जनादेश शिरोधार्य है, उपचुनाव के परिणाम पार्टी के अपेक्षाओं के अनुरूप नही आये, पूरी पार्टी, नेताओं और कार्यकताओं ने एकजुटता से चुनाव को लड़ा, दक्षिण विधानसभा एक ऐसी विधानसभा है, जहां कांग्रेस कभी नही जीती है, पिछले विधानसभा चुनाव में दक्षिण विधानसभा में कांग्रेस पार्टी सर्वाधिक मतो से हारी थी। उपचुनाव का रिजल्ट आमतौर पर सत्ता दल के पक्ष में आता है। जब कांग्रेस की सरकार थी तो कांग्रेस पार्टी ने 5 उपचुनाव जीते थे। जो जनादेश आया है उसे कांग्रेस पार्टी स्वीकार करती है। जनता के हित और सरोकार के लिये हमारी लड़ाई जारी रहेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि एक उपचुनाव के परिणाम से जनता के सभी सवालों का जवाब नही मिल जाता, और न ही राज्य के हालात में परिवर्तन हो जाता है। प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, राज्य में भ्रष्ट तंत्र का बोल बाला, भाजपा की वादा खिलाफी, 1 लाख नौकरियों का वादा, 500 में गैस सिलेण्डर, 1.25 करोड़ माताओं बहनों के महतारी वंदन की राशि, अनियमित कर्मचारीयों को 100 दिन में नियमित करने का वादा, धान खरीदी की परेशानी ऐसे विषय है जिसमें साय सरकार विफल साबित हुई है।

भाजपा की प्रचंड आंधी में कांग्रेस एक बार फिर तिनके की तरह उड़ गई

रायपुर। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के संयोजक शिवरतन शर्मा ने उपचुनाव के नतीजे को भाजपा के विश्वास के अनुरूप बताते हुए कहा कि जातिवाद और साम्प्रदायिक तुष्टीकरण का जहर फैलाने में लगी कांग्रेस ने जिस दोहरे राजनीतिक चरित्र का प्रदर्शन करके प्रदेश को अराजकता की दिशा में धकेलने का षड्यंत्र रचा था, रायपुर दक्षिण की जनता ने उसका करारा जवाब कांग्रेस को दे दिया है और कांग्रेस की दुर्गति उसी का परिणाम है। भाजपा के विकास और सुशासन के प्रति अगाध समर्थन की प्रचंड आंधी में कांग्रेस एक बार फिर तिनके की तरह उड़ गई। अब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार और अधिक ताकत के साथ न केवल युवाओं की प्रतिभा के अनुरूप उनके विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगी, अपितु उनकी संभावनाओं के आकाश पर उनके सपनों को उड़ान भरने का पूरा मौका देगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि भाजपा की यह जीत जनता-जनार्दन के संकल्पों की जीत है। रायपुर दक्षिण की जनता ने भाजपा के संकल्पों और मोदी की गारंटी ,विष्णु देव सरकार के ऐतिहासिक कार्यों और दक्षिण विधानसभा में पिछले कई वर्षों पूर्व विधायक व सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा किए जा रहे विकास पर मुहर लगाई है।

सदस्यता अभियान को लेकर दिल्ली में बैठक संपन्न

रायपुर। भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली में संगठन पर्व को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे, पूर्व मंत्री व विधायक लता उसेंडी शामिल हुए। सदस्यता अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी व राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने सदस्यता की विस्तार से जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक इस समय देश में करीब 11 करोड़ 96 लाख 16392 सदस्य भाजपा के बन चुके हैं। इसके साथ ही 7 लाख 8 हजार 29 सक्रिय सदस्यों की संख्या है। बैठक में महामंत्री दुष्यंत गौतम व राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी डॉ. के लक्ष्मण ने अपने विचार रखें। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश संगठन चुनाव 1 से 15 तक मंडल स्तर व 15 से 30 दिसंबर तक जिला स्तर पर चुनाव होगा। इसके साथ 30 नवंबर को संगठन चुनाव को लेकर बैठक होगी, इसके साथ ही बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की जीत पर भाजपा की प्रतिक्रिया

सुशासन का सूरज और अधिक प्रखर हुआ है और विकासपूर्ण उज्जवल भविष्य का कमल खिला है - संजय

रायपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की जनता के हम आभारी हैं कि उसने प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पर विश्वास किया, जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ में कुशासन, अन्याय, अत्याचार, आतंक और भ्रष्टाचार के कांग्रेसी मंसूबे एक बार फिर धराशायी हुए हैं। अब छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पूरी कर यहाँ सुशासन स्थापित करने की रफ्तार और तेज होगी। प्रदेश विकास की तेज गति के साथ आगे बढ़ेगा। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि जनता द्वारा दिए गए आशीर्वाद को नमन करते हुए भाजपा वचनबद्ध है कि हम जन आकांक्षा और अपेक्षा की कसौटी पर खरे उतरेंगे। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा के रास्ते कांग्रेस के साजिशाना मंसूबों का अंधेरा छँटा है, सुशासन का सूरज और अधिक प्रखर हुआ है और विकासपूर्ण उज्जवल भविष्य का कमल खिला है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा ने रायपुर दक्षिण के चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर जनता को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के गांवों से लेकर शहरों तक के हर वर्ग में कांग्रेस के प्रति भारी अविश्वास है, जिसका असर चुनाव परिणाम में दिखा है। पिछले 15 वर्षों से राजधानी के नगर निगम में कांग्रेस काबिज रही, लेकिन कांग्रेस के तीनों महापौर के कार्यकाल में भ्रष्टाचार विकास के मामले में निकम्मेपन ने सारी हदें पार कर दी थीं। कांग्रेस के भ्रष्ट आचरण से संत्रस्त जनता ने कांग्रेस को करारा सबक दिया है। श्री रोहरा ने कहा कि रायपुर शहर और प्रदेश के हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी की सरकार काम करेगी और रायपुर दक्षिण क्षेत्र को विकास के शिखर पहुँचाएगी। भाजपा जनादेश को पूरी विनम्रता से स्वीकार कर अब सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ विकास के नित-नए अध्याय लिखेगी और अपने वादों को पूरा कर जन अपेक्षाओं की कसौटी पर खरी उतरेगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री भरत लाल वर्मा ने कहा कि इस लगातार नौवीं जीत के साथ भाजपा की सरकार सर्वतोमुखी विकास के साथ-साथ जन-जन के कल्याण के अपने संकल्पों को पूरा करके रायपुर दक्षिण सहित पूरे प्रदेश को अन्याय, आतंक, भ्रष्टाचार और छल कपट के कांग्रेसी टूलकिट-एजेंडे से मुक्त प्रदेश बनाने का काम करेगी। भाजपा की जीत के लिए रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की जन-शक्ति का आभार मानते हुए श्री वर्मा ने कहा कि संविधान और आरक्षण के नाम पर झूठ फैलाने और समाज के सभी वर्गों के बीच विभेद पैदा करने के कांग्रेसी-दुराग्रह को जनता ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने कहा कि रायपुर दक्षिण में भारतीय जनता पार्टी की जीत पूरे छत्तीसगढ़ और देश की जनाकांक्षाओं की जीत है। जनता ने इस बात पर मुहर लगा दी है कि जनता की सेवा की करने की भावना किसी पार्टी में है तो वह भारतीय जनता पार्टी में है। इस बार फिर जनता ने भाजपा पर अपना विश्वास दर्शाकर ये बता दिया है कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री साय के सुशासन पर विश्वास है।

रायपुर दक्षिण के नतीजे ने लगाई विष्णु के सुशासन पर मुहर

मुख्यमंत्री की सहज सरल छवि, निर्णय लेने की दृढ़ क्षमता तथा भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस ने जनता में जगाया भरोसा

रायपुर। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रही सरकार के सुशासन पर मुहर लगाई है। चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया है कि मतदाताओं का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। यह संभव हुआ है मुख्यमंत्री की सहज सरल छवि तथा जनहित के मुद्दों पर दृढ़ता से त्वरित निर्णय लेने की उनकी कार्यप्रणाली के कारण। एक वर्ष के कार्यकाल में साय सरकार ने न केवल पारदर्शी प्रशासनिक तंत्र का विकास किया बल्कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और नीतियों का लाभ कैसे पहुंचे इस पर पूर्ण मनोयोग से काम किया है। उपचुनाव के नतीजों ने सरकार के कामकाज पर मुहर लगाई है यह उप चुनाव रायपुर दक्षिण की एक सीट का चुनाव कहकर टाला नहीं जा सकता है। यह राजधानी की ऐसी सीट है जो पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करती है। यहां से बही हवा पूरे राज्य में असर करती है। इसका कारण यह है कि इस इलाके में राज्य के सभी संभागों के तथा हर वर्ग के वोटर निवासरत हैं। इसलिए रायपुर दक्षिण में दक्षिणपंथ की विजय को पूरे राज्य के जनादेश की झलक के तौर पर देखना गलत नहीं होगा। उपचुनाव में मुख्यमंत्री साय के करिश्माई व्यक्तित्व का आकर्षण वोटरों में इतना अधिक रहा कि यहां विपक्षी कांग्रेस के लिए कोई जगह ही न बची। साय ने ऐसा कोई मुद्दा ही न छोड़ा जिसे विपक्ष भुना सके। चुनाव के दौरान कांग्रेस मुद्दा विहीन हो गई। यही कारण है कि उसने मौलाना के चुंबन सरीखे एडिटेड वीडियो बनाकर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया और अपनी जग हंसाई करवाई। भाजपा के पास विष्णु देव साय के रूप में एक शानदार और बेदाग चेहरा था जबकि भूपेश बघेल की वादा खिलाफी वाली छवि ने कांग्रेस की संभावनाओं को पहले ही खत्म कर दिया था।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.